

बंशीरागमाला

जिसमें

षट् राग अर्थात् भैरव, मेघ, श्री, बसन्त, करनाट,
हिंडोलादि प्रत्येक रागोंकी छः छः रागनियों
सहित स्वर स्वरूप व तालस्वभाव गुण
भेद कवित्त व सवैयादि मनोहर
छन्दोंमें वर्णित हैं

जिसको

श्रीकाशीनिवासी पं० लोकनाथकवि द्विवेदी ने
गानविधान विज्ञपुरुषोंके अवलोकनार्थ
निर्म्मित किया

प्रथमबार

लखनऊ

मुंशीनवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेखाने में छपी
दिसम्बर सन् १८८९ ई० ॥

विज्ञापन ॥

ग्रंथोंके लेखसे अनुमान कियाजाताहै कि इसभारतदेशमें प्राचीन समयमें बहुतसेपुरुष गानविधान व छः रागोंके सपरिवारस्वर तालगुण स्वभावादिभेदोंके जाननेमें अत्यंत कुशलथे—परन्तु वर्त्तमान समयमें बहुधापुरुष इन वार्त्ताओंकोभी नहीं जानते कि स्वर व रागक्यावस्तु है और किसे कहते हैं—फिर उनका अभिप्राय कथन करना तो अत्यन्त कठिन है—और आज तक न कोई ऐसी पुस्तक देखने में आती है कि जिससे संपूर्ण रागोंके भेदभाव विदित होजावें—इसलिये संपूर्णगान विधान रसरसिकपुरुषोंके अवलोकन करने व प्रत्येकरागोंकी यथातथ्य विधिजानने केलिये यह पुस्तक वंशीरागमाला नामक श्रेष्ठकवि श्रीलोकनाथ द्विवेदी रचित मुद्रितकरने योग्यसमझकर श्रीमान् मुंशीनवलकिशोर (सी, आई, ई) ने स्वयंत्रालयमें मुद्रित कराई—प्रथमतो इसमें रागों की उत्पत्ति अर्थात् जिसप्रकारसे जो राग जिस २ स्थानसे उत्पन्न हुआहै वह सबसविस्तारवर्णन कियागया है पश्चात् प्रत्येक रागकीछःछः रागिनी व छःछःपुत्र व पुत्रबधूआदि सबसमाज सहित यथातथ्य एक २कवित्तमें स्वभाव गुण स्वरूपादिकाभेद अच्छेप्रकार मनोहर शब्दोंमें वर्णन कियागयाहै—आजतक संपूर्ण रागोंके विषयकी ऐसी उत्तम पुस्तक देखनेमें नहीं आई आशा है कि जो महाशय इस अप्राप्त पुस्तकका अवलोकनकरेंगे—वह अत्यन्त प्रसन्नतासे इसके ग्राहकहोंगे और इसके प्रचारकर्त्ता व निर्माणकको धन्यबाद देंगे



अथबंशीरागमाला ॥

नाथ कबिकृत ॥

मंगलाचरण ॥

कबित्त । घनाक्षरी ॥ बारनलगतनेकुबारनकेकारन
को बारनकरनमेंबिघनढिगऐबेको । बारनकेबारनसेटू
टैअनायासहीते ऐसेहीअनैसेकोनिवारनकरैबेको ।
वारनमेंजैसेभटवीरधीरकोपीहोहिं कबारनगनकेसेदुख
केहटैबेको । बारनकोतीनतापपापतेउबारनको बारन
बदननाथसर्बसुखदैबेको १ ॥ अथ रागउत्पत्ति । छप्पै ॥
शिवअरुशिवासँयोगयोगषटरागनकेगुन।पांचमुखनते
पांचछठेंगिरिजामुखतेधुन।भैरवघोरअघोरासिरिजईशा
नमेघकहँ। बिरचेसद्योजातसुघरश्रीरागहिकोतहँ। कि
यबामदेवसुबसन्तहीकरनाटकततपुरुषते । छठयोंहिं
डोलकबिनाथकहिपारवतीकेसुमुखते २ ॥ षटरागनाम ।
दोहा ॥ प्रथमसुभैरवमेघपुनि श्रीबसन्तकरनाट । अ
रुहिंडोलअमोलहै जासुनाथचितचाट ३ ॥ रागभेद ।

सबरागनकेभेदअब पतिनीरागिनिसाथ । सुतसु
तबधूसखासखी कहिक्रमतेकबिनाथ ४ ॥ सोरठा ॥
काहुनपायोपार अतिअपारसुरताललय । हनुमदादि
मतसार नाथसाथलघुमातिकथय ५ ॥ सवैया ॥ षटरा
गछतीससुरागिनिहैं षटहीषटहीतियरागहरेकको ।शु
भसन्तातिरागिनिहूंकेछही छहीपुत्रसुपुत्रबधूप्रतिएक
को । एकएकसखासखीमुख्यसुरागको एकरुबीसस
माजाजितेकको । कविनाथसनेहकेसाथकहैं गुनिनेकयेभे
दसुरागअनेकको ६ ॥ अथ रागपरिवार । छप्पै ॥ भैरवकी
भैरवी रामकेरि मालसिरीहैं । सु धनाश्री सिंधुरा असा
वरी नारिनिरीहैं । धौलं श्यामे शुध मालकोस अरु
अजैपालहैं । कन्हरनट षटरागिनीनकेषटहिबालहैं ।
रेवा रँभेलि सूही सुहो भटियालहु श्रेष्ठी बहू । ऋषभ
सोहिनी सखि सखा भेदनाथभैरवयहू ७ ॥ अथ मेघराग
समाज ॥ कहल कान्हेरा अरु केदार पुरबी बिलावली ।
मधुमालवि कोड़ा सुनाथघनकी तिरियाभली । छायो
नट सुधनटहु गौड़ हम्मीरै नटहु सुत । सांवत सु अड़ा
ना अतीहि रससंयुत अद्भुत । सुतवधू जयंतिश्री जो
गिया पुरिया ईमन देशिया । राजविजै पुनि सखिसखा
गोरा नटमल्लारिया ८ ॥ अथ श्रीरागसमाज ॥ सुभगा
गंधारी सु गौरिहू और कुमारी । बिलावली तियभली
बिरागी हैं षटनारी । जयतकल्यान सुषेट सु श्यामरामहु
बागेश्वर । हेमकल्यान सु खेमकल्यानहुतनय छओबर।
धोकेली माँझ गौड़हु सरँग सरसैति परज जजंतया।

पंचमे संकोचैं सखासखिनाथसाथप्रमुदितहिया ९ ॥
अथबसंतरागसमाज ॥ ललितै विभासै सु पट्टै मंजरी पं
चैंमि गूजेंरि। टोड़ी छठीं सुनारि पुत्र दीपक देसाखै
धरि। बर बिहागै सु सहौंनहु सारँग अरु अहीरैंनट।
सोरैंठ देवकैली बँगोलि तिरैंबेनी करिठट । गुनैकरी
खँभाँवति सुत बधू सखा सुनहु कल्याने नट। सखी सु
सारँगं नाथ कहि सुघर समाज बसंत ठट १० ॥ अथ
करनाटरागसमाज ॥ गारो भूपोली नैंटीहु कल्यान कमो
दै हु। रामकेलिं तियछओ मोरु बहुनागरे सुत कहु।
टंकै रागसागरहुँ लंकदहै गौरा मालव। ककुभै ओंहरी
इयामै पूरिया छबि तरु पालव। कहिनाथ समैंफैलि
अलहियाँ वृन्दावनी बधू सुघर। ललितै पंचमी सखि
सखा पखारैंहै करनाटकर ११ ॥ अथहिंडोलरागसमाज ॥
दिपिको नारि सुदेशकोरि सुबरारि हिंडोलाहिं। मालैंवि
पहिड़ा तीय मरहठी नाथके गोलहिं। सँकरो भरन सु
मतै विलास अरु तिलककमोद युत। नटकेदारै कमो-
दै नटहु संक्रमनै छठेंसुत। सुत बधू चैति सुघराइहू
काफी लीलावैंति बिहर। हरसिंगारहुँ नायकि सखा ब
ड़ हँस भीमै पलासि वर १२ ॥ अथरागरागिनीसमय।
सवैया ॥ बर भैरव भैरैवि रामकली लँलितैं सु विभासैं
सुहो गुजँरीरी। पुनि देवगिरी अरु देवगँधार बँगाली
असोवरि जयैतिसिरीरी। देशकोरैं गुनौंकरि जोगियाँ
पाहिड़ी सिंधुरी औसुघराई कहीरी। बड़हंस अँलहैया
बरोरी बिलाविलै भोरके यामलौं नाथ कहीरी १३

देवकेली पटमंजेरि साँवत टोड़ी रँभेली देसाखं कुमाँ री। पंचँमि औ सोहनी ककुँभें पुनि वृंदाबेनी अरु हारे सिंगारी। लीलौवती अरु अष्टी सु सौरँग रेवा सुँदेशी विरांगी पियारी। पहलेही सुयामते दूसरे यामलौं नाथ समै यहठीकविचारी १४ गौरेनटें सु अहीरेनटें पुनि शुद्धनटें अरु टंकै मलारी। गौरानेटें सुबँसंत त्रिबेनी हिंडोल सुभीमपलासी पियारी। मालेहिकोस सु मालैसिरी सुधनासिरी जाजवेंती बरनारी। युगयाम ते तीजे सुयामलौंसोरँग नाथसमै इनके इतनारी १५ गौरी खँभावती पूरियां पूरबी राजविजे सुसंकोन अँहेरी। चैती सुमालवा दीपं मलारेहि बर्षहिपे यह हर्षकेरी। मालवगौड़ श्रीरागं गुनोइतने सबचोथहियाममें टेरी। भारूसे युद्धजबै जमकै ठनकै तब मारूं सुनाथ कहेरी १६ सँकरो भरनै शुधं छायानटें अरु हेमं सुखेमकल्यान भुपाली। पटँराग सुइयाम रु श्यामहुपूरिया कान्हरा लंकदहन सुखशाली। करनाट कल्याने हँमीर नटें सुकमोद बगेश्वरे हम्मिरँ खाली। कल कांफी अड़ानौ सुईमँन नाथ इतेककी शामके याम में चाली १७ गावहु नायकी और केदारौ केदारनेटें परँजे सुसहानौ। माँझ सुसोरठँ तीलकमोद कमोद्धन टैंसुबिहागविधाना। दूसरेयामलौं गाइयेफेरि संकोची बिहागेरा मँहठिठाना। सुमँतीहिविलास समँर्फ लिसंसँति दूसरयामलौंतीसरआना १८ सुभगा सुपखारे सुरागके सागर ऋषभे औ भटियाले पियारी।

श्यामसुराम सु ललितपंचमी औौर बिलावलि हैरुचि
कारी । रातकोतीनसुयामबितेपरप्रातलौंलागतपर्मपि
यारी । अतिप्रीतिकेसाथसुनाथकहैंसबरागिनिरागसमै
अनुहारी १६॥सोरठा॥ उक्तसमयअनुसाररागरागिनि
हिगाइये। नाथहुकुमाशिरधारबेलाकछुनविचारिये२०॥
गायनलक्षण दोहा ॥ गायनतीनप्रकारके उत्तमअधमस
मान। लक्षणबरणनतासुसब कहतनाथसुखखान २१
लयस्वरतालरुँवग्रामहू मूर्छनसनजोगाय। कहतनाथउ
त्तमगुनै कबिकोविदसमुदाय २२ इतनीबस्तुनिमेंक
छुक एकहुजोकमहोय । गावैतालप्रमानपै नाथसमान
हिसोय २३ जानतभेदअभेदनाहिं गावततालबेताल ।
कहतनाथताकोअधम जाकोनेकुनख्याल २४॥ अथता
लभेद ॥ तालनकेगनअगनितहिं नितहिंचितहिलै
कौन। परद्वादशअथवासुदश नाथबखानततौन २५इ
कतालाचौतालहूजल्दतितालाताल। कुण्डनाचहोरीरु
पकधीमातितालाचाल २६ सूलफाकताभंपहैं समचौ
तालाताल। आड़ासुईसवांरिहू कहतनाथकरिख्याल
२७एईतालबिशालह विदितसुगायनमाहिं। तिनकेल
क्षणकहतहैं नाथसाथचितचाहि २८ प्रथमहिंगुरुपुनि
तीनद्रुत सोचौतालाजान । द्रुतपैबिरदीगिरलहैं यहैना
थपरमान२६प्रथमहिंद्रुततीनोंरहैं फिरविरदीगुरुअंत।
तेहिसमचौताराकहैं नाथसाथगुणवंत३० प्रथमहिलहि
गुरुयुगलही उतनैद्रुतदैअंत। आड़ाचौताराकहैं ताहि
नाथबुधिमंत ३१ तालतिनिहुइकचालहीतिनहिंद्रुतहि

जोपाय। अंतमाहिंबिरदीरहेनाथतितालकहाय३२ द्रु
तप्रथमहिंजोइयेतितनहिंअंतबिराम। गुरुपरबिरदीना
थलखिधीमतितालानाम३३आदिलघूइकअंतदैद्रुतबि
रदीपैजासु। झंपतालतेहिनाथकहि नामख्यातहैतासु
३४ आदिहिंदीजैद्रूइद्रुतअंतएकलघुदेइ। सूलफाकता
तालतेहिकहतनाथबुधजेइ ३५ युगललघूसमहोयजो
ताहीपैसुबिराम। तासुनामरूपककह्यो नाथसकलगुण
धाम ३६ जहँगुरुएकहिलाइये गुरुपैबिरदीएक। नाथ
सुहोरीतालकहि लहिगुणगायननेक ३७ प्रथमयुगम
गुरुएकद्रुत फिरआखिरगुरुएक। ताहिसवांरीतालक
हि नाथसाथसुबिबेक ३८ ॥ अथतालप्रयोजन ॥ मत्त
मतंगकेरंगहै तौर्यत्रिकनिक्रजान। अंकुशतासुबिशाल
बर तालनाथसुखखान ३९ क्रियाकालअरुमानहू ल
हिएकहिजोठाम। नाथगुणीगणलालजे कहततालसुख
धाम ४० कालसमयकोकहतहैं क्रियाहाथकोयोग। मा
नजानबिश्रामको कहतनाथबुधलोग ४१ सबतालन
के प्रानयेइनहींसाहितसुताल। शिवशक्त्यात्मकचमक
ये सुखदनाथकरख्याल ४२॥ अथस्वरग्राममूर्छनालक्षण॥
स्वरहैंसातरुग्रामत्रय मूर्छनहैंइकईस। नाथसाथक्रम
केकहत जो कछु कहेउगुनीस ४३ पाछेस्वरकेहोतहैंजो
अनुकरनबिलास। ताहीको स्वरजानियेकहतनाथसुख
रास ४४ अथवाखुदजोआपही निकरैपूरणनाद। नाथ
ताहिस्वरकहतहैं सोशारदाप्रसाद ४५ खर्जऋषभगंधा
रपुनिमध्यमपंचममान। धैवतऔरनिषादये नाथसात

स्वरजान ४६ खर्जमयोखरअंशसे सरसीरुहसेअंग। सुरताकोब्रह्माविदित स्वरसुनाभिकेसंग ४७ तियकबि दाभैरवतनय जंबूद्वीपनिवास। दिनपूरणमासीकह्यो रागनाथहैंखास ४८ ॥ ऋषभस्वरलक्षण ॥ सजगजकेगु रुअंशसे नारदकुलअवतंस। तनगुलाबकेआबहै भा षतनाथप्रशंस ४९ ऊरधनाभीतेकढ़ै जाकरस्वरउच्चा रि। सुतअद्भुतकरनाटहैं रिमहासुन्दरनारि ५० प्लक्ष द्वीपसुनिवासहै बारजासुशशिवार। नाथसुघरस्वरऋ षभके बरणतहैंसुखकार ५१ ॥ गंधारस्वरलक्षण ॥ बरबाजीकोअंशहै देवविरोचनतासु। आभालोहित श्यामहै कौशिकद्वीपनिवासु ५२ तनयसुरागहिंडोलहै कागतियासुकुमारि। भौमदिवसअसकहतजग नाथउ दरउच्चारि ५३ ॥ मध्यमस्वरलक्षण ॥ कोकिलकेकिलअं शहै मध्यमस्वरवरजान। नीलकमलआभाविमल देव सुकेशवमान ५४ वरनारीप्यारीलसैं तनयबसंतपिया र। क्रौंचद्वीपआगारहै नाथतासुबुधवार ५५ ॥ पंचम स्वरलक्षण॥ पंचमबायसअंशहै देवसुवासवजान। श्या मलअमल शरीरहै शाकसुद्वीपसुथान ५६ तनयमला रतियामहा गुरुबासरवरजान। ग्रीवातेपुरस्वरकढ़ैकहैं नाथपहिंचान ५७॥ धैवतस्वरलक्षण॥ धैवतकेकीअंशहै देवसदाशिवजान। गाततासुअवदातहै द्वीपशाल्मली थान ५८ अनुरागवतीतियसती आत्मजहैश्रीराग। नाथसुक्रवासरकह्यो मुखतेस्वरवरजाग ५९ ॥ निषाद स्वरलक्षण॥ दादुरअंशनिषादहै श्यामलश्वेतशरीर। ना

थग्रीवतेऊर्ध्वस्वरदेवविनायकधीर ६० शनिवासर ताकर सुघर पुष्करद्वीपनिवास। बाँझतिया यह रमतनित सुत बिनु रहतनिरास ६१॥ इतिसप्तस्वरः ॥ अथग्रामभेद॥स्वर मूर्छन आदिक सबै श्रुतिकेआश्रयहोय। ग्रामताहिगु णिगणकहैं नाथबखानतसोय ६२ तीनतरहकेग्रामहैं क हतसबैगुणग्राम। आड़वपुनि षाड़वकहे अरु संपूरण नाम ६३ साँचहि पाँचहिस्वरमिले आड़वबरणतनाथ। षाड़वषटस्वरकेमिले पूरणसातौसाथ६४ औरहुसंज्ञाती नहैं ग्रामनकेसुखखान। उदरा अरु मुदराकहैं तारा ति सरीजान६५ गुणिगणग्राम विभेदकहि नाथहुकरतबखा न। कहतधारहियसारमत ग्रंथनकेपरमान ६६॥ अथमू र्छनालक्षण॥ तानींहितानचढ़ाइबो अरुउतारिबोजोय। तेहिस्वरबरकोमूर्छना कहतनाथहूसोय ६७ इकइसमूर्छ ननामको कहतसबहिक्रमसाथ।जोस्वरकीजोमूर्छना भा षतसोकविनाथ ६८॥ छंद ॥ आमोदिनी सुविनोदिनी सु प्रमोदिनी तीनोबनी। खर्जस्वरकीमूर्छना इतनी सुवर्य्यनकीठनी ६९ कहत दीर्घा और श्रद्धा फेरि व्यंगा जानहू। ऋषभ स्वरकीमूर्छना इन तीनही पर मानहू ७०॥ गन्धार॥ विश्रामिनी अरु कामिनी आ रामिनी मनमानिये। स्वरसुमध्यमकीसुमूर्छन इनहिंती नाहिंजानिये ७१कहत गुणिजन कोमली अरु निर्मली जमलीजुदा। स्वरसुपञ्चमकीसुमूर्छन तीनहैंहियकीमु दा ७२ कहत सब आधारिनी बिस्तारिनी सुविहारि नी। स्वरसुधैवतकीसुमूर्छन जगतकीहितकारिनी-७३

विदितहै लज्जा सँकोची और गोपी तीसरी। स्वरनि
षादीमूर्छनायहनाथकबिवर्णनकरी ७४ ॥ दोहा ॥ मुर्छ
नहैंस्वरसातकी श्रुतिहिनाथसुखखान। स्वरप्रतितीन
हितीनहैं सबमिलिइकइसजान ७५ ॥ श्रुतिलक्षण ॥
बिनानादकेजोसुनै पहिलहिसबकोरूप। सुनतहिप्रिय
हियलागती श्रुतिहैसोइअनूप ७६ स्वरसातोंकीजानि
ये श्रुतिबाईसप्रकार। भिन्नभिन्नतिनकेकहे नाथनाम
निरधार ७७ ॥ छन्द ॥ तीव्रा कुमुद्वति और मन्दा
फेरि छन्दवती कह्यो। खर्जस्वरकीचारश्रुति हैं जाहि
सुनिआनँदलह्यो ७८ दायावती अरु रंजिनी रक्ता
कही हैतीसरी। ऋषभस्वरकीतीनश्रुतिहैं गुणी जन
वर्णनकरी ७९ कहतसबरौद्रीहिंक्रोधा श्रुतिदुईगंधा
रकी। रीतियहसंगीतमतकीरतगुणीगणप्यारकी ८०
बज्राप्रसारिनिप्रीतितीजी मार्जनीचौथीकही। श्रुतिसु
मध्यमकीचहूंयहनाथकाबिबर्णतसही ८१ सुनहुक्षिति
रक्तासुसंपादिनि अलापिनिचारही। श्रुतिसुपंचमकीब
खानी नाथद्विजसुखसारही ८२ सुनमदंतीरोहिनी रासा
हितीजीजानिये। श्रुतिसुधैवतकीबखानी रससरिसपर
मानिये ८३ बरणिउग्राक्षोहिनी दूनीकहीतीनोंश्रुती।
श्रुतिनिषादहिकीकहीहैनाथश्रुतिबाइसहुती ८४॥ इति
श्रुतिभेद ॥ अथ रागजाति दोहा॥ कहतसुघरसबरागकेती
नभाँतकीजात। प्रथमशुद्धसालंकतब पुनिसंकिरनसु
हात ८५ दुइदुइभाँतिकजातिहै महाशुद्धअरुशुद्ध।
स्वररागरुसालंकहै कहंनाथजेबुद्ध ८६संकीरनपुनिदु

सरो महासकीरनजान । षटप्रकारकेसबभये कहतना
थपहिंचान ८७ ॥ शुद्धलक्षण ॥ सबहिरूपरँगअरुप्र
कृति भिन्नभिन्नहैजासु। विकृतस्वरहिकहिंमिलतंहै शु
द्धनोंमेहैतासु ८८ ॥ विकृतलक्षण ॥ विकृतस्वरहिसो
जानियेआनथानतेंआय।जोआनहिकेथानमेंछिपिछिपि
कैमिलजाय ८९ टोड़ी जोड़ीगूजरिहियहीकहावतशुद्ध।
इनतजिऔरनशुद्धहैं कहतनाथजेबुद्ध ९० मिलतनजि
तहींविकृतस्वर निजपरिपूरणहोय। सारँगऔरसुकान्ह
रामहाशुद्धयेदोय ९१ स्वरसालंकहिजानिये शुद्धहिको
इकभेद। बिकृतस्वरहिकेमिलतहैउभैबिनाशतखेद ९२
सालंकल० ॥ आनहिछायाआनरँग आनथानतेआय।
मिलेरागसालंकहै कहतनाथचितचाय ९३ गौरिरंगश्री
रागहै दीपपलासीरंग।मेघमलारकेरंगहै ललितबिभास
हिसंग ९४ ललितबसंतहिरंगहै सोरठसूहोरंग। तिमि
केदारारंगहै सूहोउमगिउमंग ९५ मेघहुश्रीकेरंगहै भैर
वकेरवजान । भैरवकेरँगहैसुहीजुही रहतरसखान ९६
काफीकेरँगकान्हराऔर बिलावलजान। औरोरँगइनते
अधिकजानहुचतुरसुजान ९७ गौरीकेरँगगौड़है देशका
रसुबरारि । रेवारंगसुगूजरीनाथजोगायनप्यारि ९८
बहुग्रंथनकेमतनतेंकहिसालंकसुराग। कहतसँकीरनभे
दहैनाथसाथअनुराग ९९ मिलिकैटोडीकान्हराहोतसुभै
रवराग। गौरिकान्हराकेमिले कन्हरगौड़सुजाग १००
मिलेकेदाराकान्हरा उपजतविशदबसंत। सारँगसुघर
मलारमिलि सांवतहैसुखवंत १ मिलिमलारअरुका

न्हराकन्न्हरनटमल्लार । लघुसंकीरनभेदये पांचरागनि
रधार २ ॥ महासंकीरनभेद ॥ इकसुरसादुइसारसातीजे
सरसाजान । तासुलघुहिगुरु भेदतेभयोनामषटमान ३
उदाहरणलक्षणसहित पृथकपृथकपहिंचान । नाथसा
थमतिकेकहत जोबुधप्रथमबखान ४ शुद्धसुसालंकहि
मिले लघुसुरसाकेभेद । तामेंपांचसुरागहैं जोमेटतमन
खेद ५ मिलिसोरठअरुकान्हरा होतअड़ानाराग । गू
जरिगौरीकेमिले पुरवीह्वैरसपाग ६ टोडीऔरधनाशिरी
मिलेबरारीहोय । गौडसुसारँगकेमिले गौड़सुसारँगजो
य ७ गौरीकाफीकेमिले रेवाजानप्रमान। लघुसुरसाके
भेदये पांचरागपहिंचान ८ ॥ गुरुस्वरसाभेद ॥ गूजरिदे
शीकेमिले रामकलीभलिजान । मालवगूजरिकेमिले
खरीगुनकरीमान ९ सुधनाश्रीअरुकान्हरा मिलेऋष
भपहिंचान । नटसुकान्हराकेमिले कन्न्हरनटसुखखा
न १० गौरीषटरागहिमिले देशीहोताबिकास । सारँग
औरबिलावली मिलेपूरियाखास ११ सारँगश्रीरागहिं
मिले दीपककोपरकास। जैतिशिरीगौरीमिले चैतीकरत
बिकास १२ काफीऔरसुकान्हरा मिलेसहानाहोय ।
ईमनकेदारामिले इमनकेदाराजोय १३ मारूकेदारा
मिले होतबिहागसुराग। पुरबीकेदारामिले देवगिरीसु
रजाग १४ सारँगअरुनटकेमिले सारँगनटसुखधाम।
गुरुस्वरसाकेभेदही कहेनाथअभिराम १५ ॥ अथलघु
स्वरसाभेद ॥ जितैद्विविधिसालंकहैं लघुसारसकहिसो
य । संकीरनसालंकमिलि गुरुसारसतबहोय १६

श्रीरागहिंसुधनाशिरी मिलेविषहरराग । भेदएकयह सारसा कहतनाथरसपाग १७ जैतिशिरीसुधनाशिरी मिलेहोतकल्यान। सुबिलावलकल्यानते भलीभुपाली जान १८ पंचमललितमिलितसुघर ललितपंचमीहोय। मालशिरीसुधनाशिरी भैरवहीतेजोय १९ मालशिरीअरुमेघमिलि मधुमाधवीबखान । सिन्धुरासुमारू मिले सोरठकोस्वरजान २० देशकारपुरवीमिले मालवरागहिजान । ललितबरारीकेमिले रागवसन्तसुहान २१ गौड़बिलावलकेमिले उपजतरागकमोद। मिलेधनाश्रीपूरिया भीमपलासिसमोद २२ जैतिशिरी श्रीयोगते लीलावतिपहिंचान । सुसहानासुबिलावल हिमिलिसुघराईजान । २३ ॥ अथलघुसारसाभेद ॥ सुघरअजैपालैमिले पुरियाकौशिकहोत । ऋषभबरारीकेमिले धौलसुरागउदोत २४ मिलिहिंडोलबसन्त केपंचमरागरचाय । मालवासुकौशिकमिले मालकोस बनिजाय २५ सुघरभुपालीरामकरि मिलेरैंभेलीहोय । अजैपालअरुधौलमिलि पुरियारागिनिजोय २६ मालशिरीसुबिहागहीं मिलेखंभावतिजान। देवकलीगंधारमिलि गौड़होतसुखदान २७ रामकरीश्यामहिंमिले श्यामरामअभिराम । मिलेबरारीभैरवाहिं बंगालीसुखधाम२८ बंगसुरामकलीमिले रागिनिभइभटियाल।जैतशिरीकल्यानते जैतकल्याननरसाल २९ सुऋषभअरुगन्धारामिलि अजैपालसुबिशाल।बंगालीपटरागकेमिलेशुद्धसुखपाल।शुद्धऔरहम्मीरमिलिछायाहोतरसाल ३०

शुद्धसुनटमिलिशुद्धनट कहतसुनतगुणवान । न
टअरुछायाकेमिले छायानटपहिंचान ३१ नटअरु
-हम्मीराहिमिले कहिहमीरनटसोय । नटअरुकामो
दहिमिले प्रियकमोदनटहोय ३२ पुरबीशुधसँकराभ
रन मिलेककुभहीजान । टंकधबलकेमिलतही सोहनी
मोहनीमान ३३ तिरबेनीलीलावती मिलेसँकोचीजा
न। चैतीऔरबसंतमिलि होतबसंतीठान ३४ नटअरु
मल्लारहिमिले नटमल्लारीजाग। लघुसारसासुभेदय
हकहेनाथसविभाग ३५ ॥ अथगुरुसारसाभेद ॥ लीलाव
तिभैरवललित तीनिहुंमिलिहिंडोल । जैतिशिरीनट
शुद्धमिलि सरस्वतीअनमोल ३६ श्रीरागहिंअरु
कान्हरा गौरीहूमिलिजाय। भईजाजवन्तीप्रकट इनती
ननकेपाय ३७ बंगालारेवामिले पंचमहूकेसाथ। तबैप
र्जबनिजातहै कहतबर्य्यअरुनाथ ३८ टोडीऔरमला
रमिलि सिंधुराहूकेयोग । आशावरीखरीभई कहत
सुगायनलोग ३९ गुजरीअरुकल्यानमिलि देशकार
हूसाथ । होतअहेरीरागिनी बरणतहैंद्विजनाथ ४०
बंगालीललितहिमिले अजैपालहूसाथ । श्यामरा
गअभिरामकैबरणतहैंतेहिनाथ ४१ गौडबिलावलसा
रँगहि मिलेबिलावलिभाख। मल्लारहिसँकराभरन क
न्हरामिलिदेसाख ४२ षटकमोदकन्हरामिले तिलक
मोदहींजान। श्रीकान्हरासुभैरवहि मिलेटंकपहिंचान
४३ ललितदेशकारहिमिले गौरीहूतेहिसाथ। ताते
तिरबेनीभई सुखदेनीनिजनाथ ४४ ईमनकेदारासहि

त औरसहानासाथ । होतहमीरसुधीरसे गावतनिशि मुखनाथ ४५ देवगिरीनटभैरवहिं मिलेसुअष्टीहोय । इमनधनाश्रीकान्हरा मिलिबागेश्वरजोय ४६ नटदीपिकाहिंडोलमिलि होतमध्यमाभेद । सुनतगुनतताके तुरत मिटतजगतकोखेद ४७ सिंधुराटोड़िअशावरी औरधनाश्रीसाथ । होतरागगंधारहै भाषतहैंद्विजनाथ ४८ सूहीसुघराईसहित कन्हराऔरमलार । इनतेसू होहोतहै बरणतनाथबिचार ४९ पुरबीगौरिमलारमिलि देशकारकेसाथ । माँझरागइनतेप्रकट भाषतहैंद्विजनाथ ५० ललितबरारीश्यामहू गुजरीऔरगँधार । आशावरिहूकेमिले क्षैपटरागप्रचार ५१ माधविनट शुधपूरिया बागेश्वरकेयोग । नटसुतानउपजैत्रजै बरणतगायनलोग ५२ संकीरनमेंभेदये गुरुसरसाके जान । द्विविधिशुद्धसालङ्ककहि नाथसँकीरनमान ५३ इतिरागजाति ॥ अथ रागलक्षण ॥ सुन्दरस्वरवरसहित जो ध्वनिविशेषहीहोय । मनमोहनसोहनसबै नाथरागकाहिसोय ५४ ॥ अथ बाजनलक्षण और भेद ॥ बाजनताकोकहतजो स्वरसहायअरुभाय । बाजनतेबाजनाबिना नेकहुगायनजाय ५५ ॥ सवैया ॥ मुरचङ्गसुचङ्ग मृदङ्गलसै बरबारितरङ्गसुबांसुरियारी । करतालसुताल सितारगितारतँबूराचिकारासुसारँगियारी । तबलाडफ सूरसिंगारसरोद सुबीनरबाबसुनाथहिप्यारी । खँजरीढुलकीसहनाइनफीरी सुझांझसुनाड़ीतिरंगनगारी १५६

अथरागरागिनी स्वरूपतत्रादौ भैरवरागस्वरूपवर्णनम् ॥

सवैया ॥ विद्युतिगातसुहातकृपाकरजाते छपाकरजात छपाई। लोचनहैंदुखमोचनतीनिहुंरोचन गौरबिभूतिल गाई। बैसकिशोरजटाघनघोरसे कुंडलमंडलसाँपसुहा ई। नाथप्रियानिजसाथहियाभरि चूमतभैरवरागकहाई १॥ रागगुणवर्णन। घनाक्षरी॥ बिरहबिबशबशरोगिनीसी दीसीनिशिसारीब्रजनारी भारीनिलजीजोगुनीगिनी। परेहैंसँकेततिन्हैंकेतग्रहकेसेलेसेतजीहैंनिकेतभजीजेती भूरिभोगिनी। कान्हबाँसुरीसुरीसीअँकुरीसीजीवभावै पखुरीसीमुरझावैंधावैंवनशोगिनी। बंशीबंशभैरवरी नाथकुलकैरवरी भैरवसुनतभईभैरवकीयोगिनी २॥ अथ १ भैरवी स्व० ब० स०॥ देहदुचन्दसीसोहतमोहत मन्दहँसीनिकसीमदमाती। मानिकसेनिकसेअधराधर पीनथनीजघनीबलखाती। कुंजनकूलदुकूललसीमनि भूषनहैनिरदूषनभांती। हाथमेंमाललियेसखिसाथमें नाथहिभैरवीपूजनजाती३॥गुणव०घ०॥सारीब्रजनारीजो अनारीसीविचारीबारीवारीप्यारीदेहजोविदेहभईभोगि नी। मुरलीरलीहैमुखकान्हतासुसुनितान भलीहूअली लहीहैबेकलीज्योंशोगिनी। बिलपैंबिसूरदूरदूरहीतेधाय चूरभूरधूरपूरतनतूरलाजभोगिनी। नाथब्रजचन्दलखि गोपकुलकैरवीजे भैरवीसुनतभईभैरवीसीयोगिनी.४॥ २ धनाश्रीस्वरूपव० स०॥ कानननीलसुकंजलसे मृदुमं जुलसेघुमिकाननमाहीं। घोरघटाहुघटालखिगात सु वस्त्रतेबिज्जुछटाउछटांहीं। कंचुकिमेंकुचकुंकुमहूजुम सिंहकटीचषमीनसुहाहीं। नाथकोध्यानधरीसुघनाशि

री पूरवयोसखरीमुसुकाहीं ५ ॥ गुणव० घ० ॥ ऐसो प्रेमनेमठनाजातहीबनाउतैरी मोहनाकीजोहनाहियेमें तानबानघिरी । केतेजनामनाकरैंकोऊकोनगनानेकु ऐ सोघनाप्रेमठनाथिरीनारिअथिरी । अतिअनमनानाई नारीसगरीजनाईठनमनापगडगधरैंमगमेंगिरी । गो बरधनासेवृन्दाबनाबीचधाईआईं धनाशिरीकीसीसुनि नाथकीधनाशिरी ६ ॥ ३ रामकली स्वरूपव० स० ॥ राम करीअतिओटकरी रिसरोषभरीपलिकापरराजे । लैमु खमोरिमरोरिसुनाकहिं घूंघटमेंपटनीलसुछाजे । मानहु चंदछिपेबदरी निदरीबरभूषणवस्त्रहिंत्याजे । माथनवा यकेनाथमनाय रहेभिटकायसुहाथनलाजे ७ ॥ घ० ॥ सारीव्रजवामनकीसुधिबुधिवामनसी वामनकीवंशीधुनि सुनिब्यापीबेकली । निजधामहूनिकामलागैगृहकाम त्यागैकामकरपीरधीरहूतियेहियेरली । गुणग्रामवारी नारी ग्रामग्रामकीगँवारी सगुनकरतपेखिश्यामका गकागली । नाथछबिधामश्यामजूकीबंशीभलीतामें रा मकलीरागिनीखिलीज्योंअभिरामकली ८ ॥ ४मालसिरी स्व०व० स०॥ फूलनकेतनभूषनहैं घनदूषनहीनसु रेशमीसारी । चंदहुतदहचंदद्युती उरचर्चितचंदनतेम दवारी । काननकंजलसेमृदुमंजुल घूमतिहैघनकान्तन प्यारी । पायकेजोबनमालशिरी सममालशिरीभुजनाथ हिडारी ९॥गुणव० घ० ॥महामानवारीनारीहूबिसारीसा रीसुधि मतवारीकीसीघूमैंभूमैंजोरहींथिरी । बारीबारी तेनिकरिबारीहूबिचारीप्यारी बारीबारीसाथिनके साथ

हेतुगोड़गिरी। यारीहैपियारीयातेऋँधियारीहूनटारीबया
रीहू भैनजानैसारीकुंजकुंजफिरी। नाथढिगआनघिरीबुधि
हैबिहालनिरीजानमालशिरीसमवारीसुनिमालशिरी १०
५ आशावरी स्व० व० स०॥ अतिद्रूमतिहैमदतेभुकिभूम
तिघूमतिहैसगरीफुलवारी। द्युतिदीपशिखाजनुचित्रलि
खातनुभेषनकोबदलैबहुवारी। निखरेबिखरेकचकारेखरे
करकंजधरेबिचरेवनप्यारी। नाथआशावरीआशावरीति
यभाँवरीदेतज्योंकुंजमैंभारी ११॥ गुणव ० घ ०॥ गति
मतिआसुरीसुरीहूफूलपाँखुरीसी सुरीजातधुनिसुनिसुरी
लीसीबाँसुरी। सारीसुरीसतीहूकीलाजकीधुरीहू टूटीचो
पीहोयगोपीभेषधारिधारिकैजुरी। सुरीसुरगनसुरपुरीके
मगनहोय गगनतेसुमनसुमनभरैंआतुरी। बंशीव्रज
नाथजूकी प्रीतिरीतिआँकुरीहै बढ़ीजातआशाउरी सु
नतआशाउरी १२॥ ६ सिन्धुरा स्व० व० स० ॥ शीलबड़ोतन
मेंद्युतिनीलसी बालबिशालहैंघूँघरवारे। चंचरसेफहरैव
रअंचर कंचनचारुसेचीरसँवारे। हैसिंधुरापुरप्रेमधुरा
मधुरागतिहावरु भावसुधारे। बीनप्रबीनछिड़ैनिजहाथ
तें नाथकेसाथसुमोहिनिडारे १३॥ गुणव ० घ ०॥ इन्दु
रातकोअड़ेखड़ेसेहैंजहींपैतहीं इन्दिराहूगिराहूसुनतन
तआतीहैं। सुन्दरकलिन्दजाकीधारयाहीकेअधार अ
ड़ीरहैंखड़ीकहूँनापधारजातीहैं। वनदेवीहूविशेषतासुअ
तिसेवीभई खगमृगटेवीलईतानप्रानघातीहैं। नाथनेह
सिंधुराजमाहिंबौरीपौरीकरैं सिन्धुरासुनततियसिंधुरासी
मातीहैं १४॥ ७ भैरवपुत्रधौलस्व० व० स० ॥ शीशमहल

बिचहातेचुहलतहँतूल पहलसुखसेजबिछाई । पान
मधुरमधुपानअधरधर राजकुँवरद्युतिकंचननाई । धौ
लफबनिअरुधौलजोबनयुत नाचैमगनसखियनसँग
पाई । बीनमधुरसुरछेड़ैंचतुरजुर गावैंसुघरबरतान
सुहाई १५ ॥ गुण व० घ० ॥ कौलमुखीनारीसा
रीहौंलदिलवारीहोयैं सुनिकैअतौलउपमाकीबांसुरी
चकित । जंगलकीऔलकोननेकहूबिचारेंकोऊ पौ
लकेजो बाहरनहोतसोऊदौरींतित । मौलसरीहारन
कोगूंधतहुतीजोतीय सोऊमौलनीचेकरिभईसुनिमुर
छित । केतीहैंअडौलअरुकेतीहैंबेडौलसाजसोऊआ
जनाथधौलरागसुनिधौलचित १६ ॥ २ पुत्र श्यामराग
स्व०व०स० ॥ सुन्दरश्यामसेश्यामसुरागहैं कुंजनपुंज
नमेंबिहरेरी । कंदुकक्रीड़ाकरेमुखबीड़ा भरेगरेप्यारी
केहाथधरेरी । पन्ननकेबरपानकेभाजन बालनकेकरकं
जनमेरी । नाथलोकावतगेंदगिरावत जोबनकाननपैति
यकेरी १७ ॥ गुण व० घ० ॥ निजनिजधामकेजोकाममें
भिरीहैंभाम सोऊभईहैंसकामसुनिबंशीरागरी । बामदा
हिनोनसूझैबूझैनतुकुललाज गृहकाजकुलनामभूलीं
प्रेमपागरी । ठामठामहीकीनारीसारीदौरीहैंकुठाम ग्राम
औनगरवारीबारीचलींभागरी । कहैंउरकीन्हेंश्यामकि
तेवहप्यारोश्याम नाथश्यामबांसुरीकीसुनश्यामरागरी
१८ ॥ ३ पुत्रशुद्धराग स्व०व०स० ॥ बीनबजावतगावतहैं
अतिरंगमहल्मेंकलामतखासे । शुद्धसेभेषहैंशुद्धसुराग
केशुद्धबसनसबहींतनतासे । दिव्यगनीगनकोपटभूषन

अर्पनकीन्हपरमहिततासे । तालमृदंगबजैमुरचंग सु
रंगमहलमहँनाथहुलासे १९ ॥ गुण व० घ० ॥ जाकेवु
द्धदांतहूनटूटेसोऊनाहिंछूटे जूटेबांधिजूटीहैंवघूटीजुटी
अनुराग। युद्धकैंमनमथमनमथकैसमुद्ध उद्धरतबन्द
बन्दकठिनकुफंदलाग । निरबुद्धपनपेखतासुक्रुद्धगृहज
न बुद्धजनबुद्धिदेतसुनीअनसुनीत्याग। सबहीवेशुद्धशु
द्धमतिहूअशुद्धकीसी सुनिसुनिशुद्धरागनाथपैगईहैंभा
ग २० ॥ ४ पुत्र मालकोस स्व०व०स० ॥ मालसुकोससरो
सभरेहगलालविशालप्रबालसेभावे। बानकमानहितान
उतानहिंवैरिनछन्दपैनिंदचलावे। मुण्डनकेरिपुभुंडनके
उरसुन्दरमालविशालरचावे । नाथसुसाथसुवीरनकेरन
धीरनकेबिचबैठिसुहावे२१ ॥गुण व० घ० ॥ पंछिनकोपो
सपोसहारीसारीरीतिनतेएरीमेरीवीरनेकुमानेनाहिंपोस
री। उड़िउड़िजाततहांजहांबंशीवैरिनहै सुनिसुनिधुनि
वाकीहोसतेवेहोसरी। रोसकरधर २ केसपतिअतिरोके
काहूकरआनकानकीनअफसोसरी । जोसभरीगूजरी
सोकोसकोसहीतेभागी त्यागीनाथमालकोससुनिमाल
कोसरी २२॥ ५ पुत्र अजैपाल स्व०व०स० ॥ कोलिमह
लबिचराचीचुहलभल आलीकोप्यालीमदालीपिला
वे। चीराजरीकरसोहैवदनपटुकाकीफबनबिजलीभल
कावे । मोतीश्रवनगजकीसजकी मणिमालविशाल
उरनबिचभावे । नाथसुघरसखिसाथविहरअजैपाल
कृपालसुरागकहावे २३॥ गुण व० घ० ॥ गृहजनजोकृ
पालसोऊअकृपालभये लखिकेविहालहालबालकीनि

रालचाल । जादिनतेख्यालकरीलालजूकीवंशीधुनि तादिनतेवाकेमनपंछीपरेप्रेमजाल । कठिनकरालकाल चढ़ेज्योंपिशाचभाल काहूकहैतपीबालबिरहाकीज्वाल माल । बंशीमेंगोपाललालछेड़ीतानजोरसाल अजैपा लरागसुनिविरहाभोअजैपाल २४॥ ६पुत्रकन्हरनट स्व० व०स०॥ ताजीसुबाजीचढ़ेघनकाननखाननकेसवपंछिन पाहीं । हाथपैबाजबिराजसोत्याजकै गाजकैबोलबढ़ा यसुबाहीं । कारशिकारकरैंतेहिदेतहै हारउतारइनामके माहीं । बानकमानकृपानसजे सुरनाथसेकान्हरनाटसु हाहीं २५ ॥गुण व०घ० ॥ ठटवटसारीनारीछांड़ि२स जवटबीछियाहूअनवटछांड़ीकरिअनवट । खोलेलट योगिनसीबोलअटपटबोल घोलविषसाजनज्योंसाजन तेखटपट । अकपटकीसीसुधिबुधिपटकीनदीसी बरषा नदीसीदौरीजातबौरीचटपट । झटझटजातनाथढिग मृगदृगवारी कान्हरनटहिरागछेड़ीसुकान्हरनट २६ ॥ १भैरवकीबहूरेवारागिनी स्व०व०स०॥ गौरसुअंगकेरंगझला मलउज्ज्वलझीनसुबस्त्रनिसोहै । झूलतकर्नमेंकर्नसुफू लनि कुंजनकूलमेंगेंदरचोहै । खेलतनाथकेसाथपररूप र कंदुकतेटुकचोटहियोहै । हासीहूखासीभुलासीगई यहरागिनिरेवापरेवासीमोहै २७ ॥ गुण व० घ० ॥ सेवा माहिंनिजनिजपतीकेजोसतीहुतीं सोऊअतीव्याकुल सीआकुलसीवंशीसुने । टेवाटेवीकरैंनिजघरनकेप्रानि नतेबेवाहूकुबौरीकीसीफिराफिराशिरधुने। लेवाजोलगाव तहुतीसोलेवामखलायराज साजतिनकासीगुनीतिनका

चुने। नाथढिगहरीहरीसारीवारीहरेवासी परेवासीउ डीजातरेवारागिनीगुने २८॥ २ भैरवकीवहूरँभेलस्वि०व०स० आजअकेलीरँभेलीपियासँग केलिकेमंदिरमाहिंसुहाई। ऐंड़तखेंड़तछांड़तमें कुचमाड़तमेंपियहाहाखिलाई। बीततहैइतरातप्रिया इतरातापियासँगबातनलाई। सैन कोसैनकरैपियते तबनाथसुहाथतनीपैचलाई २९॥ गुण व० घ०॥ नवलनवेलीअलबेलीबेलीगंधवालीबं शीधुनिसुनिकेअकेलीकुंजआवती। चेलीजोमुनिनकी सोमेलीभईइनहींकी अनमेलीमेलीमेलीअनमेलीभाव ती। जलदीचलनकाजठेलाठेलीकरैंआज भाजजात घरेलीबनेलीऐसीधावती। बनदुखभेलीमानोभेलीसी लहीनवेली नाथरागिनीरँभेलीरँभेलीकरावती ३०॥ ३ भैरवकीपुत्रबधूसूहीरागिनी स्व० व० स०॥ जूहीसीबास सुहासविलासहै सोहतसूहीकोसूहीसुसारी। केलिके मंदिरअंदरखेलत नाथकेसाथसुकंजनधारी। कंजनसे तनखंजनसेदृग गंजनफूलनकोकरिडारी। नाथकेधा वतहीलखिकेसखिकेपकेरहहरेहियभारी ३१॥ गुणव० घ०॥ मूहामूहीसमुहीकरतसगरेघरैले कूहाकूहीकरैं जानितीयपररागिनी। दूहादूहीकरतहुतीसोगायही बिहायधायभजींतजीहैं निकायज्योंबिरागिनी। जूहा जूहीहोनलगीघरअरुबाहरतेयुथनकीयूथजातीतीयअ नुरागिनी। नाथमिलेपीलीहूरँगीलीचुहचुही खिलेसू हीकररंगतसीसुनिसूहीरागिनी ३२॥ ४ भैरवकीपुत्रवधू सूहोस्व०व०स०॥शुभसूहोकोसूहोसजै

रंगसेअंगमेंसारी॥वरहेमहुमैलसुपैलहैपांयनहै अकलंक सुलंकनधारी। द्युतिदेखविशेखउरोजानिरेखहँसैहुलसैंवि लसैंपियप्यारी। बहुआलिनसाथलखीनिजनाथहिबी छीसीआंखतिरीछीनिहारी ३३ ॥गुणव०घ०॥ गृहकेसमू हौजनतनतनकूहोकरैं दूहोकरैकरेजारीसासुरीअभागि नी॥ चूहोकीसीनाहिंद्युतिदेहगेहकेकलेहजानीसासुनईने हवहूज्योंबिरागिनी। चोटहारगूहोनाहिंकोऊसाजजूहो नाहिंबंशीधुनिसुनिसबैभागीअनुरागिनी। जरदहरदकी सीरहीऊहोनाथसाथसूहोरंगकीसीभईसुनिसूहोरागिनी ३४॥५ भैरवकीपुत्रवधूभटियालरागिनी स्व०व०स०॥ दमकेंद्यु तिदीपशिखासमदेहसनेहभरीनवलाचपलासी। कंजक लीनिकलीछतियांबतियांकरेकामकलाबिकलासी। अनि यांअतितीछनईछनकीमानोमारकेतीरनकीगुरुगांसी। पटघूंघटओटतेचोटकरैंनिजनाथलखेभटियालबिलासी ३५॥गुणव०घ०॥बुधिबालकीसीकरैसुधिटालदेतसबैज्वा लमालविरहातेबनीहैबिरागिनी॥यहव्रजलालजूकीबँसि यासुरसियारीकरतबिहालयाकीफूँकैफूँकनागिनी। हिया कीहवालकहाकहौंजियाकीजवालनाथबिजियासेहालक रैअनुरागिनी। मेरोमनमठियालहठियालकोसोभयोचु टियालकीन्हीचित्तभटियालरागिनी३६॥६ भैरवपुत्रवधूअ ष्टीरागिनी ॥स्व०व०स०॥शिखतेनखतेसुशिंगारसँवारबिहा रकेमन्दिरलैसखिसारी। अमलाकमलासमरूपभलाबि मलाआँखियांमृगसीछविधारी। अलकाछलकापलकाबि ठलायगईबहलायसखीगणन्यारी। कष्टीसीअष्टीभईल

खिनाथहिंखायहहामुखपैपटडारी३७॥ गुणव०घ०॥जष्टी
कीसीबांसबांसुरीसोऐसी जादूवारीसारीसृष्टिहारीहैबिहा
रीसुखलागिनी । धृष्टीब्रह्माविष्णुशिवहूकीसुधिबुधि
खोईकष्टीकरैतीयअनुरागिनीबिरागिनी । नष्टीभईग
तिमतिगनपति शक्तिहूकी वृष्टीसुधाकीसी करैद्योस
निशिजागिनी । लष्टीकीसी बंशीनाथनवो निद्धिल
ताकीहै अष्टीसिद्धिमोहीसुनि धुनिअष्टीरागिनी ३८॥
भैरवकीसखीसोहिनी ॥ ख०व स० ॥ साखिसोहिनिसांवरि
सीमनमोहिनि जोहिनिहैछबिभैरवकीरी। नवनीरदनीर
जनीलछबीलसुडीलछरीलसुसारीहैपीरी।गहनाजोनगी
नाजड़ाजकड़ाबरबीनाप्रबीना छिड़ैमतिधीरी । नि
जनाथकेकेलिकेमंदिरअन्दरगूँजतिहै गतिबीनकीसीरी
३९॥ गुणव० घ० ॥ जोहिनीजगतरीतनीनवारी नारी
सोऊऐसीफँसीजैसीचन्द्रमंडलमेंरोहिनी। दोहिनीदुहत
खसीलसीबनगोहिनीसी बंशीनाथफँसीभईमानोमंत्रमो
हिनी। मोतीमालपोहिनीसी कोहनीकेबलगिरींचलींबन
भाजत्याजछोहनासुछोहिनी । नेहरसबोहिनीसीबंशीता
नकान्हटेरीऐसीसोहिनीसुरागिनीजोसुरसोहिनी ४०॥
भैरवसखाऋषभ ॥ ख० व० स०॥ आगरहैंसगरेगुणकेनव
नागरसेगरुआइगुराई। सागरहैंसुखकेवरसुन्दरआकर
हैंरसरंगलुनाई । बातकरीकिधौं फूलझरीकरफूलछरी
गरतीयसुहाई । नाथसुभैरवसाथअभैऋषभैसुसखा
हिरखाहितनाई ४१॥ गुणव०घ० ॥ बाहनवृषभजोसुघ
रहरसोऊत्यागे नभकेडहरभागेबंशीजितैबाजीहै । नि

शिभरहरिविधिहूकीहूकीहै करेजअतिही मजेजपरवंशी
तानछाजीहैं। ऋषभहूपुंगवजेतुंगशृंग पुच्छझारैंमत
वारेइभआदिपशुगोलभाजीहै। ऋषभसुदेवहूजोविश
दबिरागीत्यागीवाहूराग ऋषभसुनतअतिराजीहै ४२॥
इतिश्रीभैरवसमाजसम्पूर्णम्॥
अथद्वितीयरागमेघमह्लार॥
स०॥लसपावसकेघनसेतनसुंदरअंबरभूषनबिज्जुसेभा
ये। पागनिपेंचपैंहैंसरपेचसुहीराजड़े शिरचीरासजाये।
गजमोतीकेमाल बिशालसुलोचनलालसेकुंडलगालन
छाये। बसपावसगावतहीबरसावतनाथउदारमलारकेहा
ये१॥कवित्त॥झल्लारहेघरकेबहरकेसगरलोगकल्लाफारैंसा
सुरीधारैंननदअललारहीं। गल्लानाजन्हीकेभिरीघिरी
जोनिरीगँवारी कोऊबल्लाबल्लीजोड़छानीकीमिल्लारहीं।
हल्लाकरैंबौरीनाईत्याजी जहांकीतहांईसारिकरपल्लासा
रीफारीअकुलारहीं। लल्लालल्लीहूतजीहैलल्लाजूकी
बंशीगुनिमल्लारहीसुनिवीरमल्लातलमलारहीं २॥१
मेघकीरागिनीकान्हराका स्व०व०स०॥ बैठिअशोकतरेहिय
ऐंठिकेशोकभरेविरहाकरयेरी। चोटीकोमोटीजटाकीछटा
करि योगीपटापटुपैन्हलियेरी। थोरीसीबैसमुगोरीसीभे
सहै भोरीसीभामसकामहियेरी। नाथकेसाथबिनायह
कान्हरा आन्हरासाहगरोयकियेरी ३॥गुण व० घ०॥
गोपिनकेवृंदवृन्दावनबीचखींचगई सींचलईसीनाजो
पसीनाबुंदसेझड़े। यदुबंशीबंशीभईबंशीमनमीननको
यमुनानिकटतटमच्छकच्छहूअड़े। खगमृगाढिगआय

तिगरहेचित्रकेसे भेसेधारिधायेजीवजंतुमोहमेंपड़े। नाथस्वासस्सुखरासरासरचीरही जहींकान्हरातहींब्रजोईकान्हरातहींखड़े ४ ॥ २ मेघपत्नी केदारा। स्व०व०।स० ॥ चमकीलीसीचौकीसुकंचनकी मनिमंचनसीतितबैठि अन्हावि । भलकुंतलतेजलबुंदढले जनुनागहलाहलहीटपकावे। भ्रटमांगतिहैपठप्यारिनिसों जलशीतलकोमलगातकँपावे । ऐसीउदाराकेदाराकेदारासी पारासी दिव्यद्युतीदरशावे५ ॥ गुण व०। घ० ॥ जोपरदाराहहूमें चलतिकरतिहुतीसोऊतीय बेपरदाराखतीअवारासी। दाराजोबजायगायरहीहैउदारादारा सोऊपरदाराकीकुचालचालधारासी ॥ उतरैंगुदाराकीसीभवसिंधुही अपारापापहिंत्रिदारानाथमुरलीद्युधारासी । केदारारागिनीसुनतऐसीकेदारा जोनघरद्वारा त्यागिभागिकुंजधासी ६ ॥ ३ मेघपत्नीपूरबी स्व०व० ।स० ॥ चारुशिंगार सँवारसबै कुचकुंकुमधारसुधारसुगातें। चन्दहुमंदलगे जेहिज्योतितें विद्युतिकीद्युतिदांतकीपांतें। होठसुलाल पैहास्ससुगालपै सारीसँवारीसुविज्जुकीजातें। पूरबीरूप अपूरबीजोहत नाथकीबाटलगायकेघातें ७॥ गुनव०। घ० ॥ चूरीदूरबीजोपूरीचूरीवारीसैन्हावती सोऊत्यारा भागकरैंधनवनकोपयान। गूरबीहूअब्रलाभजीहैंसबलाकीसानधूरछानतीहैकेतीतीयहीयबौरीखात। कूरबीकेकृत्तनसीपीरीपीरीअहीरीहैं केतीघूरबीनतीहैंदीनहीनसीमलान । पूरबीबयारबीचशूरबीरकीसीचलीं सुनिनाथकीअपूरबीजोपूरबीकीतान८॥ ४मेघपत्नीविलावलीरागिनी

स्व० व०। स०॥ कुंजनपुंजनमेंजितगुंजन रंजनहैअलि कोयलिकूकें। अंजनमंजनसाजिउतै मनरंजनकेपथभ्कां काहिभ्कूकें। रैनसिरानविहानभये नगयेतितआनपियाके हिचूकें। बावलिभांतबिलावलिबोलत नाथबिनाकिलकी किलहूकें ९॥ गुनव०। घ०॥ पगकरपावलीउतारचलीबाव लीसीसूंठमारब्रजनारधारकैउतावली। जैसेजिंगनावली जनाततममाहिंतैसेबाटमेंनिचाटठाटबाटज्योंबकावली। विरहावलीतेमानोंभईसांवलीसीदेह निजनिजगेहमाहिं बतलाईभ्कांवली। कूआँबावलीहूनानिहारेंलांबीडगमारें बिलावलीकीसीपगधारेंसुनिबिलावली १०॥ ५मेघपत्नीम धुमालवी स्व० व०। स०॥ अतिअंगहिअंगअनंगलसी पियप्यारेकेसंगकीहीयउमंगी। घनगर्जततर्जतबर्जतहै तेहिदेखिनलर्जतप्रेमतरंगी। फूलनकेतनभूषनसाजिवि राजिरहेरुदराच्छसुरंगी। मधुमाधविनाथसुमाधवपै घ नकुंजनपुंजनजातउतंगी ११॥ गुनव०। घ०॥ शिशुपन केसेअलिभेसेमनआलिनके ताकेहेतपालननालतानकर कान्हतान। चमेलीहूमेलीकीसीदीसीहैसुवासखास माल तीहूजानमालवारतीहैंतापैप्रान। सुघरकरनफूलफूलरहे आनँदमेंइ३कहींमेंपेचाखातइ३कपेचाप्रीतिखान। माधो मधुमालवीसुरागिनीमेंटैरहेरैं माधवीकोमाधवीलतान तरेठानठान १२॥ ६मेघपत्नीकोड़ारा० स्व०व०। स०॥ मधु पानकियेअतिशानहियेअरमानाजियेपियसेमिलबेकी। तनसोरहस्वच्छाशिंगारकिये निजकेलिअगारमेंटेकहि टेकी। सुरकिन्नरनागहुमेंअसनारि निहारिनहींकहूँप्या

रिमजेकी। जनुकोड़ाकोकामकेकोड़ालगे तबनाथहिहा
थहिधारकेछेकी १३॥ गुनव०।घ०॥ छोड़ातानकान्हजा
सुवेगशतघोड़ाभांतफोड़ाघनवनपुनिगोपिनकेथानलग।
जोड़ानिजछांड़२पशुपक्षीहूनिगोड़ामुखहूनमोड़ाभागेए
कलागेवाहीमग।थोड़ाहूनज्ञानध्यानरहेकानगोपिनकेको
ड़ाकामकेसेलगैंभगैंसवैप्रेमपग। ओड़ाकरैंसुखदुखकोड़ा
करैंखेतनको सोऊनाथहाथकोड़ाधुनिसुनिगईजग१४॥
१मेघपुत्रछायानट। स्व०ब०।स०॥ अतिअस्त्रतिशस्त्रनिसा
जिसुवस्त्रनिहेरअहेरकरैंवनमाहीं। चढ़िताजीतुरंगकुरंग
पैधावतलावतघाततकेपरछाहीं। तानकमानरुवानसु
काननकाननघोरनमेंधँसिजाहीं। रतिनाथसेअङ्गकेरङ्ग
पटैछबिछायानटैछहरैचहुँपाहीं १५॥गुनव०।घ०॥ जा
याजोबड़ेजनकीछायाजासुपरिवार गुनकीनिकायानार
सोऊतानवंशीसुनि। जाहिनिरमायाविधिवालबड़भागि
निसीसोऊनिरमायाहोयनिन्दैगृहपुनिपुनि। दायाहूतजी
हैनिजछोटेछोराछोरिनपैमायाहूकीचाहनाहअहिअहि
हीकीधुनि। मनप्रथमैपठायानाथढिगपीछेकाया छाया
नटकीसीभईछायानटधुनिगुनि१६॥२ मेघपुत्रशुद्धनटस्व०
व०।स०॥ केलिसदन्विचबैठिमदन्छबि पांतरदन्छबि
दाड़िमसोहैं। हीराकेहैंसरपेंचफवन् शिरचीरासघन्म
निभूषनकोहैं। नारिनवल्सँगगानसुवाजन तारतमूरन
तेमनमोहैं। लालअधरधरनाथसुघरवर शुद्धनटैहिनटै
तियजोहैं १७॥गुनव०।घ०॥ शुद्धवुद्धवारीनारीशुद्धबु
द्धहूबिसारी बांसुरीसुरीलीजिमिशुद्धसुलगाई आग।

युद्धहोतप्रेमनेमक्षेममाहिंआपुसमें कामऔसुकृतकेसमु
द्धअतिलागीलाग । क्रुद्धअतिहोतरोकटोकजोकरतको
ऊ गुपचुपछुपछुपगोपीचोपीचलीभाग।रुद्धगयेतीयही
यजीयनाथसाथकीन्हीशुद्धनटकेसेजादूपेसेशुद्धनटराग
१८ ॥ २ मेघपुत्र गौड़राग ।स्व०व० ।स०॥ बरसैघनज्योंस
रसैमनत्यों हरसैनिजप्रानप्रियादरशेरी । गुरुगुंजनभौं
रनकेपरखेहरखेअतिकुंजनपुंजनमेरी । भुँकिभूमकद
म्बतटेलपटेभपटेतियतोलकपोलचुमेरी । उँगलीद
शनातरदाबिहँसी गुनिशर्मनिगौड़हिगौड़हिहेरी १९॥
गुन व० ।घ०॥ कान्हदौड़कौड़तापेबंशीधुनिसुनिकापें कान्ह
सौड़गढ़ड़में घुसीरुसीपाति त्याग । कपसनकेनिचौड़
मेंभिरानहुती केतीसीनाकेपसीनाछुटे बिरहाकीआग
जाग । छोड़छौंड़छौंड़ीदौड़ीपौंड़ीखोलअनबोलभौनन
तेमुखमोड़होड़करिचलीभागि।घोड़मौड़आपुसमेंकरिदौ
ड़चलीअली नाथढिगगौड़देशवारीसुनिगौड़राग २०॥
४ मेघपुत्र हमीरनट। स० व० । स०॥ कामअनादी सेआ
दीसुरूपमें सादीसीगादीपैप्यारीबिठारी। आलासेप्या
लापिलावैपिवै चखनाचखकैलखकैबलिहारी। काननमें
गजमोतीसुजोती अनूठीअँगूठीबिजायठधारी। नाथह
मीरनटैनहटै पियप्यारीलटैपैलटैतनबारी २१॥ गुणव०।
घ०॥ चटपटऔचटहीपरीकानकान्हतान तबहींतेबोच
टसीजियाहियामोउचट । आपुसमेंसनबटकैरेंउतेजेंबे
काज सोवतउठतझटलेतनाहिंकरवट। अटपटबोलेंबै
नभागिजाततयागिऐनकरकरघरमाहिंप्राननितेंखटपट।

वंशीनाथहाथजोही पीतपटवंशीबटमानहुं अमीरनटव
जावैहमीरनट २२॥५ मेघपुत्रसाँवतराग॥ख०व०स०॥ सुरता
लनकोकरिख्यालनकोध्रुपदै अरुख्यालनकोभलगावै।
निजआसनपैसुखराशिनिको बिठलायसुहायकेगायरि
झावैंवरवीरसुसाँवतसेयहसाँवत गावतनाचतभावबता
वै २३॥गुणव०। घ०॥आवतऔजातसुरगगनमगनमांहिं
परमसगनमनदानौगनधावतहैं।भावतअतिहिंसुरसुंद
रीहूंआसुरीहूवंशीधुनिसुनिकैविमानठहरावतहैं।गावत
बजावतजोफिरैयक्षकिन्नरहू नारदविशारदऔतुम्बुरसु
हावतहैं।नाथनियरावतसुयोगीवीररावतहूँसाँवतसुराग
सुनेमातशूरसाँवतहैं २४॥६मेघपुत्रअड़ाना ख०व०।स०॥
श्यामसरूपअनूपलसे सुखधाममेंबैठिबिलोकतबामा।
फूलकौबासलसेचहुंपासहि खाससुआसनपैबररामा।
सुरखानसेनैनबनेमधुपानसे शानसेसोंहैंतकैंकटिछामा।
तितनाथअड़ानासेठानाजितै वहडारेअड़ानासीसुन्दर
श्यामा २५॥ गुणव०। घ०॥ कड़ानाहिंकाकेमनलड़ाना
हिं जाकेमनअड़ानाहिंकाहूकरधीरपीरप्रीतिजाग। कड़ा
नाछडानाछछ्लाछापकपड़ानाभिलेकेवड़ानासूंघेऐसीवंशी
मेंगईहैंपाग। छोटाबड़ानाहिंजानैंबड़बड़ानानछाडैं कड़
कड़ानासभीसेघरहूतेकरैंलाग। मानौंनाथसाथसबैस
खिकोपड़ानाप डेवनमेंअड़ानाअड़ेसुनिकैअड़ानाराग।
२६॥१मेघपुत्रबधूजैतिश्रीरागनीख०व०।स०॥साजिसुगंधन
तेतनकुंदन भूषनरत्ननकोमनमोहै। बंधुकसेअधराधर
सुन्दर कन्दुकसेकुचपीनलसोहै।भावनआवनकेसगुनै

मनमाहिंगुनैसबकाजपरोहै। नाथकेसाथकीहैअनुरागि
नि जैतिश्रीरागिनिभागिनिसोहै २७ गुन ब०। घ०॥ सा
रींनिशिजागिनीभईहैअनुरागिनीसी सकलसुभागिनी
सुनततानकानधरे। दागिनीसीभईतासुसासुरीननदहद
मानादेहदागेंताहिबोलीठोलीमारिलरे। छागिनीसी
छटकिछटकिछरछोड़ैघरछिपिके केवाड़ीखोलसबैबनर
हधरे। जैतिजैतिव्रजनाथबोलीहमजोलीसाथ जैतिश्री
रागिनीसुनतजैतिश्रीकरे २८॥ २मेघपुत्रवधू योगियारागि
नीस्व०व०स०॥ अंगविभूतिअकूतिभरे जयमालकरेधरे
बालवियोगिन्। सेल्हीहलेअलफीहैगलेमृगछालभले
विचलेबनसोगिन्। प्रीतमकेविरहातममेंगममेंगुनेयोग
महातमभोगिन्।नाथकेसाथविनायहयोगियायोगियाभे
सधरेजसयोगिन् २९॥ गुनब०। घ०॥ सबसुखभोगिया
केछांड़िकियेसोगियासेरोगियाकेभांत भयेगातकान्हता
नगुनि। गोपियाकीटेढ़ीरीतकोपियाकीमानैप्रीत सोपिया
सीभईजोरहीहीअमीकनीचुनि। टोपियासीजटाजूटछोपि
यासीभूरिधूरिगूदरीरँगाय कृष्णकृष्णकहैपुनिपुनि। भो
गियाकीचालबालबौरीदोरीनाथढिग योगियासेभयेजि
यायोगियाकीधुनिसुनि ३०॥ ३मेघपुत्रवधूपूरियारागिनी स्व०
व०।स०॥ चावनभावनतेंमनभावनप्यारीकें पावनधाम
पधारे। देखतहीअतिनेहविदेहसी गेहमेंलालललाय
बिठारे। अत्तरदानसुपन्नन के पनदानखरेगुलदानसुधा
रे। अर्कगुलाबमेंगर्ककैनाथहि पूरियाप्रीतिसुपूरियाधारे
३१॥ गुणब०। घ०॥ सबहिंअधूरियासीतनमें शिंगारसा

जिघूरियाउड़ावतचलीहैंअनुरागिनी। चूरियाहूफूटीजा
तगूरियाहूटूटीजातजूरियाहूछूटीजातबिकलसुहागिनी।
मूरियासीचित्तचटकावतीबँसूरियारी छूरियाचलावैंहि
याफूँकैमनोंनागिनी। पूरियामिठाईतजीनाथढिगसारी
भजी उरमरपूरियारीपूरियासुरागिनी ३२॥ ४ मेघपुत्रबधू
अथवारूपमंजरीईमनरागिनी। स्व०व०स०॥फूलसुमंजरीसी
निखरीछबिबीजुरीसीसुथरीपियप्यारी।सर्बसिंगारसँवार
कियेमनिभूषनसारीसजेजरतारी। हासबिलासकरेपरि
हासलखैंसखियाँअखियाँअनियारी। ईमनमानेकहाँज
बईमननाथगरेनिजहाथाहिंडारी ३३॥ गुणव०घ० ॥ बं
शीतानदीन्हीतानतीयतनमनप्रान चलतउतानगतिह
स्तीमस्तीपनकौं। सारीब्रजबालनकीगतिहैंबेहालनकी
मालनकीटूटीलरख्यालकछुहीमनकौं। बौरीबनधाईबन
भौंरीज्योंसुमनपरस्तीगनअनूपरूपनाथजूकेतीगनकौ।
जीमनकेमोदकाजतोरीलाजसीमनके ईमनरहतथिरना
हिंसुनिईमनकौ३४॥५मेघपुत्रवधूदेशरागिनी।स्व०व०स०॥
अंगनमाहिंसुअंगनाकेपिय अंगनचाहिअलिंगनमांगे।
चाहकचातुरकामतेआतुर हाहाकरैनिजमानिनिआगे।
गोरीसीभेसहैथोरीसीबैसहै चोरीसीज्योंबिजुरीघनभा
गे। गायरिझायपहेलीवुझाय जगायकेनाथहिंसाथहिं
पागे ३५ गुन व०। घ० ॥ परीहूसुरेशीऔनरेशीनारिहू
कलेशी लेशीमनौंलूककान्हबंशीकूकहीगुने। सुंदरीसु
केशीसारीभईमुक्तकेशीनारी बावलीसीतासुभलीअली
लखिशीशधुने। अतिहीअंदेशीभयेतासुसबदेशीलोग

कहेंएकदेशीप्रेमनेमयाकोजीहुने। नाथढिगदौरीबौरीना ईसुबेशीकुबेशी देशीहूबिदेशीभईदेशीरागिनीसुने३६॥ ६ मेघपुत्रबधूराजबिजैरागिनी। स्व०व०। स०॥सीसमहल्बि चहोतसगल् सखियाँसँगचौसरऔसरतेही। पियआ येअचानकसेबनिबानिक मानोसचानकपंछिनमेही। दे खिहहरगईपीयठहरगये फेरठठायहँसेमुदसेही। लखि अंचलओटकरेदृगचंचल राजबिजैनिजनाथसनेही ३७॥ गुणव०। घ०॥ यदुराजमहाराजराजरहेब्रजबीच बाहीबीचनीचसेमगधराजभौउदोत। साजमहाराक्षस समाजमहायुद्धकाज जरासिंधुबलसिंधुघेरोब्रजकईपो त। तबब्रजराजबिनुसाजहीसमाजउतै बंशीफूँकफूँक लूककीसीसैनखाईगोत्त। नाथबंशीसबपैबिराजछाजजा तआली राजबिजैरागिनीसुनतराजबिजैहोत ३८॥ मेघसखागौरा।स्व०व०।स०॥ अलबेलीनबेलीसीनाचतहैं जितजाँचतहैंसुरतालकेभेवैं। मनिमंदिरअंदरसुंदरसे तहँराजपुरंदरसेरसलेवैं। भारभावसेहावरुभावबताव त आपहुलैसुखऔरहुदेवैं। गौरासागौरासुनाथसखा हरखाकरैभेवबिभेवकीटेवैं ३९॥ गुणव०घ०॥ गौरागौ रीहूचिरैय्यादैयादौरादौरीकरैं हौराकैरैंजंगलीहूबाँसुरी सुनेश्रवन। भौराभौरीकरैंबनजीवजंतुआपुसमें भौरा भौरीहूकेपुंजगुंजबिनअनमन। बौराबौरीकेसेभयेमृगा मृगीडिगीगये दिगीहूपिगीगयेहैंफनीहूनबायेफन। कौ राकौरीनाथहीकेसाथजीवजुरेरहें। गौरारागसुनेहोतगौ रायहभौरातन ४०॥ मेघसखीनटमल्लारी। स्व०व० स०॥

बादरचादरसीलखिके सखिकेसँगनाथहिआदरतेरी । केलिकेमंदिरअंदरगावत बीनवजावतबंकचषेरी । रागकेशोरसुनेवनमोर चितैचहुँओरतेआयमतेरी । नीलसुकंजसे मंजुलगातसुहातचुरीचुँदरीगहनेरी ४१ गुणब० घ०॥ क्यारीक्यारीबागनकेप्यारीजूकरतसैल बाहींगैंलन्यारीधुनिसुनिमाचेहल्लारी । टहलमैंभारीहुतींजितीव्रजनारीतितीं भजींतजींराधेजितैंबिरिछइकल्लारी । सारीव्रजनारीसारीसुधिबुधिहूबिसारी भईहैंअनारीनारीछूटेछापछल्लारी । अँचराकेपल्लारीउड़ीसीजातगुड़ीऐसीमल्लारीसखीहूमोहींसुनेनटमल्लारी ४२ ॥

इतिमेघरागसंपूर्णम् ॥

अथतृतीयश्रीरागसपरिवारबर्णन ॥

स०॥अतिउज्जलसेतनकज्जलनैनन बिज्जुलताद्युतिदेहदिपाहीं । भलफूलकेमालबिशालगरेभरेमारहुतेंसुकुमारसुहाहीं । सजिभव्यसेभव्यसुगातनमेंपटभूषणदिव्यसेदिव्यादिखाहीं । करकंजनिकंजघुमावतरागतेनाथश्रीरागजूकुंजनमाहीं १ ॥ गुणब० घ० ॥ अतिअनुरागजागरागसुनिवंशीकर कागकेसेचित्तउड़ेभईपीरतीरकी । लोगबागयुतभोगबागमेंकरतजेती उनहूंकेबागबंदगतिज्योंअधीरकी । मुखतेबहनलागभागएसोप्रेमपाग बिरहागजागबेग त्रिविधसमीरकी । नाथढिगभागचलीअली मनोभागखुली सुनतश्रीरागसखीश्रीबढ़ीशरीरकी २ ॥ १ श्रीरागपत्नीसुभगा रागिनीस्व० ब० स० ॥ शुभ्रसरोवरकेबरकूलपै सुन्दर

सेघरचित्रितसोहै । गातसुकंजनसेगतिरंजन हंस
के बंसहिदंसदियोहै । बामकरेधरेकामकेपुस्तक दा
हिनमुक्तनदामलियोहै । सुभगासीशिंगारसजेसुभगा
पथकेलिअगारमेंनाथकोजोहै ३ ॥ गुणव० घ० ॥ प्रब
लअनलसुलगाहैअंगअंगमाहिं उमगाअनंगकेउमंग
बिनसंगपीय। बिलगाकेपलगाकेझलीसीचलीहैं अली
दहीमहीढुलगाकेनईनईरमनीय । अलगाकेगोलनके
गोलभईअनबोल अभगाहूनारीसारीजुआकीसीहारी
हीय । दुर्भगाकीनाईधाईआईनाथकुंजपुंज सुभगासु
रागिनीसुनतसुभगासीजीय ४ ॥ २ श्रीरागपत्नीगन्धारी
रागिनीस्व०व०स० ॥ अलसातीहियामदमातीतिया अँ
गिरातीजम्हातीहैआलकसीसी । थोरहिथोरहिबीनाछि
ड़ैपियओरहिभोरहिप्रीतिपगीसी । रैनजगीउजगीबि
लगीनवयौवनमेंउमगीबिजलीसी । बालगँधारीकेबाल
अँधारीसे नाथकेसाथलसीहुलसीसी ५ ॥ गुणव०घ० ॥
सारीब्रजनारीब्रतधारीसोऊमतवारी बनवारीतानआ
नबेधीप्रानवारपार । रूपऔकुरूपवारीबूढ़ीबारीगुणवा
रीगँवारीहू बिचारीभईहैंमानोनिराधार। कारीकारीघटा
राततापरनकारीराह खगहूकीनानिकारी नाथबनकेमँ
झार। गन्धारीसतीसीसोऊतीयअनुरागिनीसी गंधारी
सुरागिनीसुनतत्यागींघरद्वार ६ ॥ ३ श्रीरागपत्नीगौरी
रागिनीस्व०व०स० ॥ डीलसरोसमसोहैखरोजिमिसुन्दर
नीलमसेदमकेरी । देवीसीसेवीसखीगणकी अतिटेवी
सबैरसरंगनमेरी । नाथकेसाथलसीअनुरागते रागव

जावतबीननकेरी । गौरीसुरागिनिकेलिगृहेगुणमालसु
गौरीसीबाललसेरी ७॥ गुणब० घ०॥ पौरीलौंनआवैंकभूँ
दौरीदौरीधावैंसोऊबौरीकीसीभईनईबंशीतानसुनिकै।ब
रजोरीतरजोरीकरजोरीकरी लोगमानीनाकुयोगहिंबियो
गच्यागहुनिकै।छोटीछोटीछोरीहूपिछोरीछोरिछोरिभाजीं
पूँछोरीकोऊंतोबोलैंनाहिंमुहैंमुनिकै।नाथबिरहानलतेभौ
रीभौरीभांतउड़ींदौरींगौरींगोपिकाहूगौरीधुनिगुनिकै८॥
४श्रीरागपत्नीकुमारीरागिनीस्व०व० स० ॥ हृगअंजनसेबरखं
जनसेमनरंजनकीअतिआशकियेरी । भलभेसकीगोरी
सुबैसकीथोरीसीगौरीशिवैपुजिफूलनतेरी।हरसेबरमांगं
तहैबरसुंदरसर्वशिंगारसवाँरसजेरी।शुचिसोहैकुमारीम
हासुकुमारीसीनाथके साथसनेहघनेरी ९ ॥गुणब० घ० ॥
दोहनकीबेरियारीसुनिकैबँसुरियारी दोहनीतनीकीतनी
रहीवहीतानगुने । कारीचोटकीसीवहलागीखोटबँशिया
रीकलनापरतहारीप्यारीकाहिशशिधुने । याहीकहैंतिरि
यारीमारीकाहूतिरियारीकरकैपसुरियारीबिरहाअगिनहु
ने। नाथनेहनशाकीखुमारीहैकुमारीहूको मारीमारीफि
रतकुमारीरागिनीसुने १०॥५ श्रीरागपत्नीबिलावलीरागिनी
स्व० ब० स० ॥ पावसमावसकेतमसेतनभावसकैनाहिंनी
लमकेरी । पीतपटाकीछटाबिजुरीइवभूषण हेमपटातन
मेरी । नाथकेसाथलसीहुलसी निकसीजलदीतेपगैधम
केरी। रागमेंबावलिभाँतबिलावलि गूढ़गितावलिबीनब
जेरी ११ ॥ गुणब० घ० ॥ साँवलकरतसखीजानकाजसाँ
वलपैबंशीसुनिपावलउतारकैउतावली । चावलगेजीय

घावलगेमानोतीयहीयपाँवलगिरोवैकहैसाथीतेज्योंबाव
ली।दांवलगेनिसहीमें कैसहीतरहचलहावभाव लालन
कीलहैगीसुखावली।बावलसेजीवजंतुनाथढिगभागेजा
तवनकेबिलावलीखुशीसुनेबिलावली १२॥६ श्रीरागपत्नी
बिरागीरागिनी स्व० व० स०॥ बरबैठिबघंबरपैपियनामज
पै तनअंबरयोगिनकेरी। करलैकरतालउतालबजावत
बालबिहालसीमैनकीप्रेरी। पियचातुरकोमगजोहतआ
तुर नैननकोरमरोरतरेरी। नाथकेहेतुबिरागीबनी यह
बामबिरागीबिरागहिमेरी १३॥गुणव० घ०॥ बिरागी
सीगतिमतिहोतिप्रतितीयनकी बिरहथिरागीछेदकरत
कुदागीसी। ऐसीमृदुबागीबंशीबागीसीभईरी ब्रजबा
गीपशुपंछीहूकीरीतिप्रीतिपागीसी। परागीसुरागीभौं
रीदौरीबौरीकीसीबन चहुंओरीकुंजपुंजछोरीछलत्यागी
सी। एकलागीदेहगेहसुधिबुधित्यागीतोय नाथकीबि
रागीरागिनीसुनेबिरागीसी १४॥ १ श्रीरागपुत्रजैतकल्या
न स्व० व० स० ॥कमलासमदेखिकहूंनवला बिरहाकुल
व्याकुलभैहिततांके।कंतहिपायइकंतियागति अंतसी
कीन्हीहगेजोकजाके। हालबेहाललखेनिजनाथके बीज
नतीगनहौलेसेहांके। जैतकल्यानकेप्रानकेहोत कल्या
नमनोअसध्यानहैवाके १५॥ गुणव० घ०॥ चारहुदिशा
नवारीनारीसारीशानवारी मानओगुमानवारीहियेमाँहि
आहिभरें।परदावारीबिचारीनिजकुलकानवारीबिबिधब
खानवारीसोऊआंशुहीढरें। ज्ञानअरुध्यानवारीशठहठ
खानवारी सबहीसुबानऔकुबानवारीहूछरें। कान्हकरता

नलागजयतकल्यानरागजयतकल्याननाथसखियानको
करें १६॥ २ श्रीरागपुत्रषट स्व० व० स०॥ अनुरागसेबाग
मेंबैठिसुनाथप्रियानिजसाथसुआसनमाहीं।नाचनिरेख
कैजाँचबिशेखकैतानप्रमानकहैप्रियापाहीं। अतिरूपकी
रासउभैसबिलासहुलासतेखासप्रियाकोरिझाहीं।खटरा
गसबैतजिकैखटरागसुअंकमेंतीयनिशंकलगाहीं १७॥
गुण व० घ० ॥ लागगयेहियेबानभाँतबाँसुरीकीतान स
खियानकेकरेजेमानोप्रेमअमीपाग । बागऔबगीचेकर
सुखसबनीचेलाग झागबहैसेजहूतेपरेहेजगृहत्याग ।
कागलखिसगुनबिचारेंप्यारेकान्हजूको धारेकरआलि
नकेग्वालिनचलीहैंभाग । जागजागअनुरागनाथसाथ
गईपाग घरकरखटरागत्यागसुनिखटराग १८॥ ३ श्री
रागसुतश्यामराम स्व० व० स० ॥ गावतनाचतभावबता
वतकेलिकेधाममेंबामपियारी। मंजुलकंजलसैदोउकान
न केसरकीशिरखोरसँवारी।श्यामसुमेघसेश्यामसुराम
से हैअभिरामअरामबिहारी। रूपकीराससीआसहिपा
सहि नाथकेसाथसजीनइनारी १९॥ गुण व० घ० ॥
ऊँचेऊँचेधामअभिरामहैअरामजाहिसोऊआहिकरखी
जचीजतजींब्रजबाम । घनबनजोकुठामताहीकोसुठा
ममानैं भईहैंजबरजोअबररहींलंकधाम । आठौयाम
गृहकामको निकामखामजानैं ऐसीभईहैंसकामभूलीं
लाजहूकोनाम । ग्रामग्रामहूकीभामलामहूकी बाँधी
लामसुनि रागश्यामसमहिये बसेश्यामराम २० ॥
४श्रीरागसुतबागेश्वर स्व० व० स० ॥ शीशमहलबिचनारि

नवलसँग पीनकुचनकेकबित्तसुनावै। चन्द्रबदनसेमद
नसेमनोहर लालअधरमणिलालसुहावै। लालसुघर
सरपेचसजेशिर मालप्रबालउरनबिचभावै। रागबरन
करअर्थकथनकर नाथबगेश्वररीझैरिझावै २१॥गुणव०
घ०॥ सुघरसुघरघरत्यागेएकलागेलोग स्वर्गहूकेसुरब
र्गभागेसाथसुरेश्वर। लोगबागेबागेहूतजेहैंऐसेप्रेमपा
गे सुरमुनिअसुरप्रचुरजोअसंख्यतर। उपबनबागेघर
करअनुरागेत्यागे सबहीकीभामभईआगेकरप्रानेश्वर।
रमेश्वरउमेश्वरनागेश्वरहूसिधारे बागेश्वरहूकीसुधि
खोईरागबागेश्वर २२॥ ५श्रीरागसुतहेमराग स्व० व० स०॥
केलिसदनबिचराजैमदनसम चन्द्रबदनतियसंगबिरा
जै। प्यारीमिगनमनपायसुहायके बीजनहाथडुलायके
छाजै। तीयश्रवनसजिफूलकरनउरहारसुमनपहिराय
सुसाजै। हेमबरनतनहेमकल्यानको नाथप्रियाबसमेंर
सराजै २३॥ गुणव० घ०॥ जासुघरखेमानितनेमप्रे
मप्रानिनतेसोऊसुनिबंशीटेमकीसीझलमलारही। केती
तीयछेमहूकोमानतअछेमकीसी प्रेमानिधिकान्हकीजो
तानकाननेगही। लेमसीलगांतीजोनजातीबनसखिसाथ
बेमनकीसतीसोऊतानमनदैदही। सखीसेमलतारूप
बंशीनाथजूकीजूपेहेमरागसुनिमानोरंकहेमलूटलही २४
६ श्रीरागसुतखेमकल्यान स्व० व० स०॥ आसहिपासहि
खाससखीगण चित्तचहीतीतियैउरलावै। पानकरैअध
रैमधुरै धरलोलकपोलहिचूमिचुमावै। औरनओरनको
रनजोरनतेलखिमानिनिमानमचावै। मानगुमानमल्यो

मतिमानसे नाथसुखेमकल्यानकहावै २५ ॥ गुण व० ।
झूलना ॥ ज्ञानअरुध्यानसबस्यानपनभूलिगो झूलिगो
तानहियबंसुरीतानरी । स्यानतेखींचअसिमीचकोऊच
हैं बीचतेहिधायधरिसज्ञसखियानरी। जानकरदूधदधि
ज्यानकरगेरिकर जानकेकाजबनकुंढ़िरहीजानरी । आ
नब्रजनाथढिगआनकीआनमें खेमकल्यानसुनिखेमक
ल्यानरी २६ ॥ १ श्रीरागपुत्रबधूदेवकलीरागिनी स्व० व०
स०॥केलिमहल्बिचहोतचुहल् अतिसेवतिहैंबरनारिन
बेली। मेघसजल्जसनीलकमल् तसगातसुहातमनो
नइबेली ।हारसुघरगजमुक्तनकेगरचूँदरचारषहल्रँग
मेली। मारनयन्केसयन्निजनाथहिं देवकलीअतिही
अलबेली २७॥ गुण व० ध० ॥ महीगिरीगिरीपरैंनिरी
सिरीकीसीसखी सुनिसुनिबंशीधुनिखोईज्ञानध्यानरी।
घिरीनिजधामकामसोऊबामभईवाम तिरीफिरैमीनजि
मिसुखेनदआनरी। फिरीकरैफिरहिरीप्रेमपगिरीसतीरी
मानोमंत्रमेंहिनीतेघिरीआनसानरी। देवगिरीगोवर्द्धन
माहिंगूँजउठीनिरी नाथदेवगिरीरागिनीकीनीकीतानरी
२८॥२ श्रीरागपुत्रबधूमाँझरा०स्व०व०स०॥ मधुमाधुरीती
यसुपीयपिलावतपीवतहैरतिमंदिरमाहीं। प्रतिअंगनमें
बहुरंगनकेगनभूषनवस्त्रसरत्नसुहाहीं। हेमकीबेलीसीहै
अलबेलीसीजूपसेनाथगलेलिपटाहीं। प्रोढ़ाप्रियारतिरं
गहियाअलकैंछलकैंबिचकेलिकलाहीं२९॥गुणव० ध०॥
बाँझसमसाँझभोरसुतासुतसेवातजी भजीजातस्यान
स्यानसखीकान्हतानगुने । आपुसहीमाँझघुरमाँझसी

करनलागीं लागींलोगदागीसीलगावैंचुनौंतीचुने। भाँ
झझ्रौमृदंगसनकीरतनठाकुरके करतहुतीजोसतीसो
ऊअतीशीशधुने। माँझसीमचावैंनिजनाथसाथसास
हूके साँझहीचलीहैंवनमाँझमाँझतानसुने ३० ॥ ३श्री
रागपुत्रबधूगौड़सारंगरागिनीस्व०ब०स० ॥ वागबिलोकतहै
अनुरागसे मौलसिरीतरुकेतरप्यारी। बीनबजावत
गावतहैं सरसावतहैंसखियाँगणसारी। सारँगसेदृग
सारँगआनन गौड़सुसारँगनाथपियारी। अंगनतेबहु
रंगनके अतिमंदसुगन्धकदैदिशिचारी ३१ ॥ गुणब०
झूलना ॥ सकलसारंगनैनीबेचैनीभई महामैनीमनोता
नसुनिदंगरी। अंगनासुधिलहीकोऊब्रजअंगना अंग
नाघरहुभूलींअलीसंगरी। भंगकेरंगसीसतीहूअति
मतीगतीइकनाथकीछांड़िसबरंगरी। देशजोगौड़सा
रंगतेहिठामको गौड़कंपतसुनेगौड़सारंगरी ३२ ॥
४श्रीरागपुत्रबधूसरस्वतीरागिनीस्व०ब०स० ॥ बरचंदहुमन्द
लगैंजेहिज्योतितै इन्दुसेचंदनबिन्दुबिराजे। अरबिंद
सुश्वेतसुरासनहै बहुहीरनकेपटभूषणसाजे। निजना
थकोगावतहैगुणगाथ सुहाथसरस्वतिवल्लकिबाजे।
दशनावलीकुंदकलीतेभली गृहबैठीइकंतसुकंतके का
जे ३३ ॥ गुण ब० घ० ॥ बसुमतीअप्सरादिहूकीग
तीमतीथाकीपारबतीसतीहूअतीहीभईमोहवती। पद्मा
वतीरतीहूकीरतीनतीवाहीमाहिं केतीगुणवतीबुधिमती
तीयहूमती। सुरपतीहूकीपतिनीजोगुनीगुनीचुनीमुनि
पतिनीहूनाथसाथभैबिमोहगती। व्यापतीहैवनसपती

कोकान्हबंशीतान रागिनीसरस्वतीसुनतमोहीसरस्व
ती ३४॥ ५ श्रीरागपुत्रबधूपरजरागिनी स्व०व०स०॥ जाव
कहैपदपावकसेमृगशावकसेदृगभावकजीके। बाससुबा
सलसैचहुंपासहि कञ्चनसेतनजोबननीके। कंतइकंत
सुलायसुसेजहि भेजहिभौननमेंगनतीके। नाथकोहाथ
तेपावैंमलै बरजैपरजैकरतीबिनतीके ३५॥ गुणव०घ०॥
मरजबुरोहैप्रेमनेमहीहरजवारो ताहूपैचतुरनरचहैंश्रा
पश्रापैरी। गुणीहूगरजबसबसजातयाहीमाहिं छोटेते
बड़ेसबैलरजकरकांपैरी। बरजबरजहारेतरजतरजसा
रे घरवारेगोपिनकोकैसेग्रहथापैरी। भागींदारकर्जदार
कीसीव्रजनाथपास उरपरजहरपरजसुनिब्यापैरी ३६॥
६ श्रीरागपुत्रबधूजाजवन्ती रागिनीस्व०व० स०॥ अवदात
सेगातसुहातसबै बिधुदेखलजातपरातसबेरे। चुतचौ
रसेचिक्कनचारुकचावलि पावलिभूषणबस्त्रघनेरे। पर
यंकपैप्रीतमश्रंककसे लचलंकसेहारटुटेबहुतेरे। रिस
वंतीश्रतीजजवन्तीमती छबिवन्तीसुनाथहिनैनतरेरे
३७॥ गुणव०घ०॥ प्रेमनकीजंतीमेंकसीहैमनोतारकी
सीनारनिजसंती घरबैठारीसुनारीचुनि। अनगंतीती
यपरतंतीत्यागित्यागिभागीं भईहैंइकंतकुंजपुंजसुनि
बंशीधुनि। दंतीमदमत्तचालचलींउनमत्तबाल सारी
बुधिमंतीहूसिधारींनिजभागगुनि। नाथढिगधाईंआईं
घरभरकाजवंती लाजवंतीतीयहूभजी हैं जाजवन्ती
सुनि ३८॥ श्रीरागकीसखीसंकोचीरागिनीस्व० व० स०॥शो
चीशिंगारप्रकारसँकोची सँकोचीभईसखियाननिहारे।

भीनमहीननवीनसुवस्त्रनि भूषणहूनिरदूषणधारे । अं
जनमंजनहूसजिकै मनरंजनकीतबबातउचारे । नाथके
हाथधरेबतरात सुसैनतेऐनसखीसबटारे ३९ ॥ गुणव०
घ० ॥ मोचीहगबारिबारिहूकुँत्रारिहारिहारि निजनिज
प्यारितेकहत आगहीहुने । रोचीकामकीजोसोखरोचीहै
नखन देहअरोचीसुरागरंगहूकोसुनेछातीधुने। खेंचीमा
हिंबैठींजोइकंतनिजकंतपाहिं पोचीमतिकीसीभजींहया
नामयागुने। कोंचीतीरकीसीबंशीभाजींतबैनाथतीरसैंको
चीसखीहूसँकोचीसुरागिनीसुने४०॥श्रीसखापंचमरागस्व०
व० स० ॥ अनुरागनतेवरबागनते चुनिरंगबिरंगनिफूल
निलयावै । निजनाथअगाररचैफुलवार सुद्वारदिवारल
तालपटावै । बिमलाफबकेघमलाघनहैं चहुँपाससुवास
भलेगमकावै । पुनितानबितानसुफूलनके गृहकूलनपं
चमरागसुहावै ४१ ॥ गुणव० घ० ॥ पंचमसुमुखशिवहू
कोसुनिसुखब्यापे आपेमाहिंनाहिंकान्हतानछायेछनछ
न । तपकेप्रपंचमहासवहीबिहायचले मंजुमंचपरिहारि
धायेहरिकुंजबन । सुरनकोवंचनदैनरनकीकौनकहै सा
चहूपिसाचहूकरीहैबंशीअनमन। रंचकनधीरधरेलागी
सखिनाथगरे पंचमसुरागसुनेपंचमहीचाहैंधन ४२ ॥
इतिश्रीरागपरिवारभेद सम्पूर्णम् ॥

अथचतुर्थबसंतरागपरिवार व० ॥

स० ॥ मारहुतेसुकुमारकुमारसेचंद दुचंदसेगातगोरा
ई । सर्बशिंगारसवांरसुअंगनिमोरकेपंखनशीशसुहाई ।
केसरखोरसुगोरसीदेहमें आमकेमौराहिनाथखुसाई। छूटे

फुहारेनिहारेखरे अतिबागबहारेबसंतकेछाई १ ॥ गुणव० घ० ॥ संतऔअसंतहूसबाहितंतमंतछांड़े बीरधीरबुधिमंतकहैंहंतहंतअति । कृमिपरयंतजीवजंतुजेअनंतजग दंतीदंतहीदरैरें पेरैंपेंड़टेढ़गति । बिलसंतसमैमाहिंकंत साथजोइकंत सोऊचलीअंतहीपरायअलीजोसुमति । एकतंतब्रजनाथसाथप्रेमनेमठानी बंशीमेंबसंतरागकरैनशअंतगति २॥ १ बसंतपत्नीललितरागिनीस्व०ब० स०॥ ललितैललितैसबसाजसजे ललितैलसिअंगकेरंगनिकाई । सुखसेजसवांरिसुधारिअती बिपरीतरतीपती साथसुहाई । द्युतिदूनीदिपैदुरिदामिनिसी सुरभामिनिसीसुखमाअधिकाई । चहिचूमतनाथसुलोलकपोलनि अङ्कभरेअतिलङ्कलचाई ३ ॥ गुणब० घ० ॥ शाखाशाखाबिशाखाजूहैरेकृष्णकृष्णटेरे चन्द्रभागाकेहैमेरेसङ्गचन्द्रभागाजात। चम्पकलताकीद्युतिचम्पकलतासीसूखी तुङ्गविद्याकेहेतुङ्गविद्याहरीकरीघात । रंगदेबीकहैरंगदेवीकोचढ़ैहौंजोतौ मिलैनाथभईइन्दुरेखाइन्दुरेखाभाँत । ललिताललितसीछलितसीहैंआठौसखीरागिनीललितमुरलीकलितहीसुनात ४ ॥ २बसन्तपत्नीबिभासरागिनीस्व०ब० स० ॥ मृदुमंजुलसैमसनन्दपै सोहैअनन्दसे भामिनिभौनबिहाने । तहँनिरखतनाचसुजाँचकेसाजन खासबिभासकेरूपबखाने । पियनिर्त्ततहैंततथेईथेई गतिलेईनईसीरिझायरिझाने। दृगलोलकपोलकलोलकरैं परिहासबिभासतेनाथजूठाने ५ ॥ गुणव० घ० ॥ अतिशैउदासदासीदासखासहूनपासकी

न्हीहैप्रवासजितैश्यामसुखरासरी । बासनिजभावैना हिंवनकोप्रयासकरै सुरीबाँसुरीसुनेतेलेतहैउसासरी । होयकेहिरासतियघरतेनिरासभई पथश्रप्रकासत्रासरा सजहैंभासरी। पाईहैसुपासबीचखींचश्राईनाथपास पा ससीविभासयहरागिनीबिभासरी ६॥ ३ बसंतपत्नीपटमंज रीरागिनीस्व०व० स० ॥ मनरौनकोपातीलिखैगहिमौनसु केलिकेभौनसुधारपियारी। मृदुफूलकीमंजरीसीपटमंज री पंजरीदीसैबियोगतेसारी।सखिपाछेसे श्राछेसे चौरढुरै इकश्रागेमुरैपनदानसुधारी। निजनाथहिनाथपुकारेश्र नाथसी हाथतेमाथधरेचुपमारी ७॥ गुणव०घ० ॥ सारे कुंजकुंजगुंजपुंजरवबांसुरीके लुंजसीचिरैयादैयाभईहैंबे कामकी। मुंजबनकेसुशाखासबैउनयेनयेसे लतापता लताकेसेरंगतनिकामकी। खंजरीभईहैखंजरीटकीटहूकी देह भंभरीसीलसैलतागेहघनीठामकी। गईपटमंजरी बनहिबनघनश्राली पटमंजरीसुरागिनीसुनतश्यामकी ८॥ ४ बसन्तपत्नीपंचमीरागिनीस्व०व०स०॥ कुंजनपुंजन मेंमृदुगुंजननाचैप्रियानिजनाथकेश्रागे। गोरीसीभोरी सीबैसमुथोरीसी चोरीसीचित्तकरैइकलागे। साजेजड़ा वकेजेवरबस्तर मस्तप्रशस्तरहेरसपागे। बागमेंपञ्चमी चाहेसुपञ्चमी कंचुकीसारीसवाँरीसुरागे९ ॥ गुणव०घ०॥ अधमीश्रौऊधमीहूसबहीबेगमीनारखिलीहैं श्रनारदाने कीसीश्रनुरागिनी। तानजमीजमाईजोकान्हकरबंशीबी चरमीरोमरोमलईखींचप्रेमपागिनी ॥बरमीसीछेदैछाती ऐसीकसबातीघाती धरमीहूबेधरमीकरैउरलागिनी। सु

न्दरश्रीपञ्चमीकीतजिकैतयारीसारी नाथपैंसिधारींसुनि
पंचमीसुरागिनी १०॥ ५ बसन्तपत्नीगूजरीरागिनीस्व०ब०
स० ॥ सांवरिसुन्दरिलोनीसलोनीसीयेअनहोनी छबी
छहरेरी। चिकुरैंचटकीलेचोटीलेभल्ले मखतूलहुनाहिंन
तूलसकेरी । तरुचन्दनकेतरसुन्दरसे बरबीनमहीनसु
नाथसुनेरी । धुनिगूजरीगूजरीकीबनमें अतिऊजरीसा
रीसजेतनमेरी ११॥ गुण ब० ध० ॥ सारीदेहऊजरीसो
मूजरीभईहैसूखि बंशीधुनिसुनिनईछातीगईभूजरी ।
इच्छासारीपूजरीसकलपशुपंछिनके भूलेंद्रुमडारनपैभू
लेंसबैकूजरी । गूँजरीगईहैतानमंजुकुंजपुंजआनए
केंपैरखड़ीअड़ीमृगीमनोलूँजरी । तजिनिजगूजरीसुभौ
रीदौरींनाथढिगमोहींगूजरीसुरागिनीसुनतगूजरी१२॥
६ बसंतपत्नीटोड़ीरागिनिस्वि० ब० स० ॥ आमनकीधरिमं
जरिकाननकर्नफुलेकरिशीशफुलेरी।छैलछबीलेछलेहैंछ
बीलीतेछाजेछपाकरकीछबितेरी। नाथकेसौंहेंकियेसतरौ
हैंसुभौंहैंनचैंस्वरतालजँचेरी। टोड़ीकीजोड़ीलखीनपड़ी
जगकोऊनिगोड़ीपरीहुनहेरी १३॥ गुणब० ध० ॥ तोड़ी
सानआनबानबड़ीघरफोड़ीजान अलीयहभलीमुरली
कीफूकैहूकैप्रान। बँशियानिगोड़ीकाहूकीनगोड़ीलागन
दैहोड़ीकीसीहोड़ करमानिनकोहरैमान। जोड़ीनाहिंज
गमाहिंकासोंनेहजोड़ीनाहिं यातेमुखमोड़ी कौनछोड़ी
कौनयाकोठान। घतियाँकरोड़ीलायरतियाँअधिकभाय
चटोड़ीसीभईसुनिनाथकरटोड़ीतान१४॥ १बसन्तरागपुत्र
दीपकस्व० ब० स० ॥ दीपकरागसुदीपसेदीपतकामउदी

पनहैतनजाके। दीपनमाहिंउजागरिनागरिसोई सुमंदि
रदीपवुभाके। आयअचानकलायहियापिया भूषणरत्न
केपायप्रभाके। नाथकेहाथवेहाथसीवालबिहालसीलाल
रमैमनभाके १५॥ गुणव० घ०॥ दीपदीपहीकेभीपकहैं
बिरागीसुरागीआगीसीजनातनाथबाँसुरीसुरीसुनातें।
प्रतीपकश्रुतिकेजो बिचारतरतसाधूनारदविशारदऔ
तुंबुरुहूबिललात। एकटीपकहींजोलगायेलालमनभाये
परीपरीबिद्याधराकिन्नरहूमुरभात। जीपकगयेरीघरमेरी
सखियाँकहेरी दीपककेरागसुनिदीपकसीजरीजात१६॥
२ वसंतपुत्रदेसाख स्व० व० स०॥ बाँधिसुअस्त्रनिशस्त्रनि
युद्धमेंसाजिसुबस्त्रनिबीरसेबाँके। खंडहिखंडकियेरिपुझुं
डहि भूमिअखंडप्रचंडपताके। तनकेतनहैंनवयौवनसे
धनलाखमेंरागदेसाखकेसाके। नाथअनाथकेहैंनितही
निजसाथिनसाथलसैंहुलसाके १७॥ गुण व० घ०॥
शाखनपैपंछीगनभाखनहूँत्यागिदीन्ही लाखनहूजीवग
नसुनैबंशीसुखते। परबतपाखनमेंलायेजोसमाधसाध
सोऊसाधताखनकीमूरतिकेरुखते। माखनगुनततीयघ
रकेकुबातनकी माखनबिलोयगोयधाईबनदुखते। देव
कोदेसाखभाखसखीलखीलाखनमें रागदेसाखएकैनाथ
जूकेमुखते १८॥ २ वसंतपुत्रबिहाग स्व० व० स०॥ चं
पकसेभलेगातसुहातहैं भूषनकंचनकेमिलमोहैं। मंजुल
सेमुकुरालयमेंलय बोलयचालयचित्रिनसोहैं। दंतसे
दंतप्रियातेलरेअधरेधरे पीनउरोजगहोहैं। नाथबिहाग
सुरागसुरागते दर्पणतेमुखदर्पणजोहैं १९॥ गुण च०

घ० ॥ जागपरीसोवतहुतीजोभागवतीसती कान्हतान जागउठीबानसमलागरी । लागरीसीनौलनागरीसुना गरीहूतजी नागरीधौंकारीरातकेधौंलागआगरी । आ गरीहूद्वारकीलगाई नाहिंधाईवाहिं सुधिबुधिबिसराई लाईकुलदागरी । दागरीदईहैंदेहनाथनेहआगरीजो दिलदबिहागयोरी सुनतबिहागरी २० ॥ ४ बसन्त पुत्रसहाना स्व० ब० स० ॥ चितचाहसेब्याहकिये से हरा चेहरापैदियेबपुवागाजरीके । बहुबद्धीसजैमुहँब द्धीकली दोहरातेहरादुलरीतिलरीके । सुठिसूहाकेजूहा लिबाससबै चुनिचीरापटूकाभभूकासरीके । गावतराग सहानासखीसब नाथसहानासजैफबनीके २१ ॥ गुणब० घ० ॥ सहानाहिंजातबीरबेदनबँसुरियाकी सहानाअँ चारकेसेरंगअंगअंगके । रहानाहिंजातथिरघरनासेघर लागे कहानाहिंजातकलुगजबकुरंगके । कहानाहिंकरे नाथहूकेअतिलरेभिरे गहानाहिंजातधीरपीरहैकुढंगके। जहांनातहाँनादिलदीनहूकेसहानासे सुनतसहानातान बंशीकेतरंगके २२॥ ५बसन्तपुत्रसारंगनदस्व०ब० स० ॥ प्रे मकदम्बकदम्बतरे तरुडारधरेपथहेरेप्रियाके । देहन कीद्युतिकुंदनसी दिपैबेधतहैकतकामहियाके । ख्याल हिख्यालहिगावैखरे शिरकेसरकेबरखौरलगाके। नाथ सुसारँगनाटउचाटसे चाटलगीलखेबाटतियाके २३ ॥ गुणब० झूलना ॥ अंगनाअंगनाबीचलोटैंसबै घरनजन संगजनुठानतींजंगरी । चंगमुरचंगमिरदंगमें जोलगा सोभगींभामभईकामबशदंगरी । पगींरसरंगरीशिथि

लसबअंगरी चलतवेढंगबनभईअतितंगरी । सकल
सारंगकेसंगमिलि धावहींसुनतसारंगनटनाथकेसंगरी
२४ ॥ १वसन्तपुत्रअहीरनटस्व०ब० स० ॥ शीशपैगुच्छसे
मोरकेपुच्छहैं कच्छनपीतपटाछहरेरी । पावसकेघनते
तननूतन ठाढ़ोजहांयमुनालहरेरी । माँगतहाथपसारि
केनाथ नईनवलानतेदानअनेरी । पटकेमटकेचटकेम
टके सबहीतेहमीरनटेअटकेरी २५ ॥ गुणब०ध० ॥ अट
पटबोलैंबैनखटपटमाचैंऐन सीधीसखिनाथनटखटसीब
नायेरी । उलटपलटझटपटअभरनसाजैं भाजैंगति
लटपटलटछटकायेरी । अनवटसनवटगुनैनाहिंएकोने
को गुटकरिआपुसमेंछटपटछायेरी । अजबअहीरनट
बंशीबीच ठटबटरागहिअहीरनटअनटसुनायेरी २६
१वसन्तपुत्रवधूसोरठरागिनीस्व०ब०स० ॥ दुतिअद्भुतिदेह
कीहेमसीदीपति काननीलसुकंजनधारी । अलिपुंजन
केगुरुगुंजनकेदोउ श्रौनहिश्रौनकरैंरुचिकारी । नवर
त्नकेउरहारसवाँर पयोधरभारलचैंसुकुमारी । निजना
थकेसाथकेहेतु चलीअधरातअलीतजिसोरठप्यारी २७
गुणब० ध० ॥ चारोंओरघोरशोरमाचैंमोरगणनाचैं चात
कचकोरजोरजोरपाँतआवैंरी । मोरमोरमुखमृगीमृगजे
तीढिगीसोऊभगीं बनओरछोरघोरजन्तुधावैंरी । तोर
तोरधीरवीरकुललाजगृहकाज अलीकेसमाजभाजच
लींतेहिठावैंरी । नाथचित्तचोरलईरुखमुखमोरदई शोर
ठईसोरठसुनतसखीधावैंरी २८ ॥ २वसन्तपुत्रवधूदेवकली
वादेवगिरीरागिनीस्व०ब०स०॥ गोरबीलीछबीलीसुनीलीसी

सरसीलीसीकुंभकुचीवरबाला । बनमालाबिशालासुफू
लनके तनसोहैंजड़ावकेजेवरआला। अंगिरातजम्हात
छनैछनपै निजनाथकेसाथचहैसुखशाला । अतिदेहगि
रीसमदेवगिरीकरनैनसमैनमनोमतवाला २९ ॥ गुण
व० घ० ॥जाहीगेहपलीताहीनेहभलीनाहिंकरै जबहींते
कान्हकरबंशीतानकानपरी । पावलीहूकेशबदजासुना
सुनाहैकोऊ सोऊबधूबावलीसी लाजत्याजभाजटरी।
वृषभानललीहूअलगअवलीअलीलै बेकलीतेनिकली
हैगूंथनकलीहूधरी । जाहिनिरभेवदेवीदेव सेवरहेनाथ
देवकलीरागिनीसुनत देवकलीभरी ३० ॥ ३ बसंत
पुत्रबधूबंगालीरागिनी॥ स्व० व०स० ॥ जोतअकूतसीहोत
बिभूतज्योंचंदपैमंदसी बादरीछाई । बायेंत्रिशूलधरेभु
जमूलसुदायेंकरैतुरहीधुधकाई । अलबेलीसीनौलनवे
लीभली अलफीगरसेल्हीपटागेरुआई। नाथबियोगि
नियोगिनिचाली बँगालीनिरालीनिकालीनिकाई ३१॥
गुण व० घ० ॥ गंगालीउठायसीसीहरद्वारकीजोदीसीच
लिबेकीसोहैंकरैंसोहैंसवैआलीरी । दंगालीवलायशिर
निजनिजप्राणिनकीलरिलरिजातखातकेतनकीगालीरी
जंगालीलगेहैं जिमिचीकनेसुदर्पणमें दागलागचांदहू
मेंतिमिमुखलालीरी । बंशीनाथनिधिसानधाईं कंगाली
समान बंगालीकीजादूजानरागिनिबंगालीरी ३२ ॥
४बसंतपुत्रबधूत्रिवेनी रागिनी॥ स्व० व० स० ॥ बरबेनीत्रि
बेनीकीसोहैत्रिबेनीसितापरश्रेनीघनीअलिछाई। बिधुदे
खिछपाअतिचंपाचँपाकलपाकरै पेखिअनंगकीप्यारी।

निजनाथकेसाथअलीकदली तरबागवहारनिहारबिहा
री। कुचकुंभते लंकसुछामतेबास झुकैउझकै लचकैसुकु
मारी ३३॥ गुण व॰ घ॰॥ छेनीकीसीछांटैछँटेछँटे छलछो
भिनके छातीछिदछिदजातछाईछमाकीछरेनी । कोऊब
केझकेछीरछांडे समैदोहनके कोऊखाजाफेनीखाततजी
सजीसेजफेनी। बेंदीकोऊगूंधतहुतीतियाहियातेसोऊ बे
नीके सँवारेपगधारेमगसखिश्रेनी । तीनसुरसेनीरस
भेनीस्वर्गकीनिसेनी रागिनीत्रिबेनीनाथमुख ज्योंकढ़ी
त्रिबेनी ३४॥ ५ बसन्तपुत्रबधूगुनकरी॥ स्व० व० स०
भूषणबस्त्रबिहीनमलीनसी साजनकेबिनुदीनजनाई। रू
पकीसीवँसीग्रीवँनवायके नाहकीराहतकैघबराई। अँखि
यादुखियाअरुनासीभरीसखियातेकहैअबनाजियौंमाई।
सबगुनाकरिहैगुनआकरिनाथकेसाथबिनातलफाई ३५
गुण व॰ व॰॥ सर्बसुखकारीखरीतीयतनमनहरी हरीकर
बंशीतानविषमबिरहभरी। हरीहरीपेड़पातिहूकीफबछब
टरी प्रीतिफंदपरीताते प्रीतरंगहीभरी। लचरीसीजात
देह कचरीसीसूखीसखीबिचरीबिपिनछांड़ि सहचरीहूख
री। नाथसाथगुनभरीछेमऔ अछेसकरी सबगुनकरीहरी
रागिनीहैगुनकरी ३६।६ बसंतपुत्रबधूखंभावतीस्व०ब०स०॥
मातिमदन्नातियकेलिसदन्नाबिच लेतिउतानसुतानहि
प्यारी । चारुचतुरसुरतालमेंपुरद्युतिदामिनिसीदम
कैउजियारी। रागसुघरकरमानो सुघरवरकोयलकेकल
हूभलहारी। सोहैबसनअभरनतनहीतन भावतिनाथ
खँभावतिनारी ३७॥ गुणव॰ घ॰॥ बनसतीपद्मावती

अतीमोहवतीभई सुखमावतीजोसतीलतीकामदुखते।
रागद्वेषवतीअनुरागवतीनाईभई भाग्यवतीलाजवती
तीयएकरुखते। सकलसुबुद्धिमतीबागमतीकीहू मती
मतीमनोनशाकीसीबंशीतानसुखते। कदलीखँभावती
सुजघनीघनीबनीसी खँभावतीरागिनीसुनतनाथमुखते
३८॥ बसंतसखीसारंगस्व० ब०स०॥कल्पलतातरुकेतरसु
न्दरबीनप्रबीनछिड़ेसखिसोहै।गावतगीतरिझावतप्रीत
तेरीततेआलिनकेमनमोहे। लाँबीसीचोटीकरैचितचोटी
सीचातुरचारुजोनेकहुजोहै। साँरगसेदृगसाँरगकेगु
णगाथसुनाथकेगावतसोहै ३९ ॥ गुणब०। झूलना॥ गं
गकेरंगसीतानधाराबही तरलतिरभंगसीकान्हमुखसंग
है। सुनतसानंगसीदंगसखियाँभई तानकीप्रीततेपीत
तनरंगहै। तंगअतिरोकअरुटोकतेभंगमन बिरहबहु
ब्यापतनतापउत्तंगहै। बिपिनसारंगसारंगनैनीसहित
रागिनीनाथकरसुनतसारंगहै ४०॥ बसंतसखाकल्यानन
ट स्व० ब० स०॥ बीरधनुरधरबीचसमरबररूपअमरसे
कमरकसिगाजे। तेगतबरकटिबाँधेजबरहाथियारअगर
वोबगरबहुसाजे। लालदृगनूसेलखैरिपुगनूसुबरनूके
बरनूतिलकैशिरराजे। धुरधानैनिकरबरबैरिनिकरबर
नाथकल्याननटैभटैभ्राजे ४१ ॥ गुणव० घ०॥ सगरे
जहानकरजानयहबंशीजान तापरतेसुंदरसुजानश्याम
ओठैंठट। तासुअमीरमीबंशीदरम्यानआनजमी ताते
बढ़ीशानमानगुणछूतेगईपट। एकैतानकेसुनेतेतनमन
देततानध्यानाकिमीहियेमनकौनकौनजातलट। नाथके

निकटअलीगलीतेचलीझपट करतकल्यानसारीसखि कोकल्याननट २६ ॥ इतिबसन्तरागसपरिवारसंपूर्णम् ॥

अथपंचमकरनाटरागपरिवारस्व० व० स० ॥

द्युतिकेकीकेकंठश्रीकंठसीसूरतिमूरतिपूरतिप्रीति पियारी। दोउकाननकूललसेमृदुफूलसुकेवरा भूलरहेदिशिचारी। मसनंदपैनाथअनंदलहेसमुहेतरवारसुधार सँवारी। करनाटसुराजसठाटठटे तहँगावेतमूराबजावेसु नारी १ ॥ गुणव० घ० ॥ कोउनाटलीहैं अलीचलीभलीकुंजगली फूलकरनाटपाकेरसजासुबाटबाट । धरनाधरतनहिंटारेटरेद्वारेपर दरनाटरतनिजपौरपै परीउचाट । घरनामेंडारेगायकीसीसारेघरवारे वाहूतूरतारकेसिधारे सखिलखिबाट । थिरनाटँगेसेमनलसेनाथबंशीसुनि करनाटरतउरतेसुनतकरनाट २ ॥ १ करनाटपत्नी नटीरागिनीस्व०व०स० ॥ इकतौकुचकुंभधरेदोहरे दुसरेशिरकंचनकुंभसुधारी । रसरीकसरीदुइखंभनपे तेहिपैचढ़िनाचतगावतप्यारी । इकओरहैंआलीकपालीभली इकछोरछटीनटीछाईछटारी। चितचञ्चलचारु चुरीचुँदरी चटकीलीसुनाथवशीकरडारी ३ ॥ गुणव०घ० ॥ लटीजातदेहनेहविवशअवशकीसीलटीजटी सोहूसीमंतिनीज्योंविरागेनी । छँटीजादूगीरनीकीनाईनीकीबंशीतान कान्हकरकानधरसुनतसुभागिनी । पलटीहौंनिजनीतउलटीहैकुलरीत बिलटीसीजातगशखातप्रेमपागिनी । कपटीहूसखीतेपटीहैकुंजकुटीआज नटीकीसीटोनाकैरेनाथनटीरागिनी ४ ॥ २ करनाटपत्नीभूप।

लीरागिनी स्व० व० स० ॥ कलकेलिअगारसँवार शिंगा
रकेद्वारपैप्रीतमकेपथहेरे । बहुबासगयेथलवाससुवास
ते हासविलासकेआसकियेरे । पनदानहुअत्तरदानभरे
गुलदानधरेसुथरेचहुंफेरे। भलभौनभुपालीसेसाजभुपा
ली कृपालीसीनाथकेसाथचहेरे ५ ॥ गुण ब० घ० ॥
वनमालीख्यालीनिकालीनिरालीजादू युक्तिजामेंव्रज
ग्वालीहालीआवैंचुनिचुनिकै । खालीएकतानवंशीमेंव
जायडालीलालधाईसुखसालीजोरसालीआलीगुनिकै।
सोहिनीसीग्वालीतापैमोहिनीसीडालीमनो बिलपैंबिहा
लीचालीउरशिरधुनिकै । भुपालीवैभवहूत्यागिवनभा
गिचलीं नाथकीभुपालीरागिनीकीधुनिसुनिकै ६ ॥ ३
करनाटपत्नीकल्यानरागिनी स्व० व० स० ॥ सर्बशिंगारसँवा
रसुकेलि अगारमेंनाचतसाथसहेली । रीझततीयरि
झावतपीयसुभावबतावतआपअकेली । स्वेदनबुंदनते
भरेआनन कुंदनसेतनहैअलबेली । खानकल्यानकीहै
जोकल्यानहिं नाथहैजूपप्रियाजिमिबेली ७ ॥ गुणव० ।
घ० ॥ मानभरीगाहिरेंगुमानभरीशानभरी तानभरीबाँसु
रीसुरीलीरसखानरी । ज्ञानहरीध्यानहरीसबैसुखखानह
री तापैखानपानहरीजोखिमसीजानरी । आनगईबान
गईजानपहचानगई कुलकुलकानगईहानभईठानरी ।
आनसखिसाथआनपहुँचीहैनाथसाथ रागिनीकल्यान
सुनेतियकेकल्यानरी ८ ॥ ४ करनाटपत्नीरामकलीरागिनी
स्व० ब० स० ॥ पूजतिहैरघुनाथसियाकर मूरतिसुंदर
मंदिरमाहीं । कंचनकेनवरत्ननकेमाणि मंडपकेलपकेपर

छाहीं । बायेंकरेजपमालधरे अरुदायेंउतारतिआरति चाहीं । रामकलीबिकलीसीअली सगुनैंगुनैंनाथकोका गउड़ाहीं ९ ॥ गुणव० घ० ॥ मेलीकानमाहिंमेलीकान्ह अनमेलीधुनि नवेलीकोगुसाईंकीनाईंचेलीमूड़रखी । सेलीअलफीसँवारनारभेषयोगिनकी लैकरविभूतिढेली चलीमानोअलखी । बेलीकेनिकुंजनकैनिकलीसहेली साथभेलीबनदुखपैअपेलीसुखहूचखी। अलबेलीअके लीदुकेलीचलीनाथकुंजरामकलीरागिनीसकेली सतीहू सखी१० ॥ करनाटपत्नीकामोद स्व०व०स०॥चुपचापबिला पकलापकरैं तियहाँफतकाँपतकुंजनजाई। पटपीतसुगा तहुपीतसबै बिरहाकुलब्याकुलसंकुलधाई । द्युतिभोर केचंदसीमंदकला बिकलाबिननाथकेमौनलगाई । सुथ रीबिथुरीअलकैंछलकैं बिनमोदकमोदरहीशिरनाई ११ गुणव० घ० ॥ पियगोदमेंसमोदबैठीजोबिनोदबीच सो ऊखींषपरमप्रमोदबिरागीसीबन। गोदनागोदावतहुती जोएकयुवतीसो गोदनातेदूनालहीबेदनातनाहिंतन । ओदबस्त्रवारीह्वासिधारीजोनहातहुती तोंदवारीहूभगा हैलगीजोसरोदफन। कुम्हिलाईज्योंकमोदसुनिरागिनी कमोद नाथब्रजचंदहेतुधाईहैंप्रमोदबन १२ ॥ ६ कर नाटपत्नी गारारागिनी स्व० व० स०॥ कंचनसेतनरंचनहै कमराजैतियामणिमंचनमेरी । बेनीसुभालमेंलाललसै अरुलालहिचंदनरेखसजेरी । झपटातततियालपटात पिया हियापूरपिपीलिकाज्योंगुड़तेरी। गारानगारासहुचोट दियेनसुनैरमेंनाथसखीसमुहेरी १३ ॥ गुणव० घ० ॥

सारानेमग्रहकोविसाराहैपसाराप्रेम अवसाराबीचतेस
खीकरैइसाराको । दाराकीव्रजायकीऊगावतहुतीजो
दाराकूपनाहूउदारासीतजीघरद्वाराको । काराकान्हवं
शीवीचन्यारातानमाराखींच जुआसमंहाराप्राणछांड़ि
पतिप्याराको । व्रजनाथपैपधारातीयगणभाँतधारारा
गिनीजोगारासोविगारादेवदाराको १४ ॥ १ करनाटपुत्र
मारूराग स्व० व० स० ॥ बरबीरशरीरमहारणधीर सुतीर
कमानलियेरणराजै । चतुरंगिणीसेनसुखेनहैसंग सजे
मतवारेमतंगविराजै । दृगलालविशालसुलालहीचीर
सुवीरसेवैरिनिवृन्दपैगाजै । नवनाथसेमारूरिपूनकी
मारूसेभारूसेभारूहथ्यारहुलाजै १५ ॥ गुणव० घ० ॥
बारूसेउड़तमनवारूदहीकान्हतान काकेहैंउवारूप्रान
भारूखँभारूअरी । दारूसेचढ़तनशातारूलौंचटकि
जातअगारूपछारूकी खबरनाधरीघरी । परमपवारू
यहमानिनीकेमानशान भवनबिगारूकाकीसुधिबुधिना
हरी। जादूडारूसखियांनिकारूबड़ोनाथकारूनिजज्ञान
मारूयहमारूरागहैछरी १६ ॥ २ करनाटपुत्रबहुनागर स्व०
व० स० ॥ शीशमहल्मेंनवल्पियबैठिकेएँठिकेपागकें
पेंचसँवारे। सुखकंदमहाछविचंदलहा दुखद्वन्ददहासब
हीकरप्यारे। अतिआसहिपाससुवासलसेचुनिचंदनच
र्चितचारुचुपारे। नवनागरनाथसेहैबहुनागरआगरहे
गुणकेसुखवारे १७ ॥ गुणव० घ० ॥ सबगुणआगरसी
लागरसीभईचौल नागरसुनागरमेंआदरजोपावेंरी । म
नक्षानसागरजोजगतउजागरज्ञो चातुरीमेंकागरसीसु

धिहुउड़ावैंरी। गागरभरतहुतींसोऊतोरडागरमें छागर
सीदौरींबनबौरी चितचावैंरी। नागरलगायेबिनुनाथछ
बीलीनछोड़ें रागबहुनागरसुनागरसुनावैंरी १८॥ ३क
रनाटपुत्रटंकराग स्व० ब० स०॥ पिरहीअसहोयरहीबिरही
थिरहीनहींहोतकहींपियप्यारी। घसिकैघनसारउसीर
सँवार लगावतबारहिबारबिचारी। तितताछनसाजन
जायपरे चितचिंतितदेखिकुचिंतहिटारी। नाथसुटंकम
यंकमुखी अतिअंकहिलायबिलायदवारी १९॥ गुणव०
घ०॥ अतिहिसशंकशंककरौंनिजछाया लखि लंकछामवा
रीनारीहियेनेहजागरी। अंकपियबैठीसोऊअंकसीगिन
तपलपरयंकसोईसोईचौंकपरीनागरी। बीछूडंककेसे
अंकतानकरैकान्हतान अतनआतंकजनुतियनपैजाग
री। नाथकेवियोगीरोगीटंकसमतासुहेत औषधकेटंक
केसेभयेटंकरागरी २०॥ ४ करनाटपुत्रसागरराग स्व० ब०
स०॥ शुचिश्यामसरोरुहसेशुभसूरत घूरतहैंनिजप्राण
पियारी। प्रियलालाकेनैनगुलालाभये अतिआलासेप्या
लाकीछाईखुमारी। झुँकिझूमतघूमतदूमतहैं तनअंक
मयंकमुखीकसिनारी। रतिनाथसेरागसुसागरहैं गुण
आगरसेबिलसेपियप्यारी २१॥ गुणव० घ०॥ जगत
उजागरअनूपरूपआगरसी यौवनमेंनागरसोवनवन
भागरहीं। लागरहीजातेतातेप्रीतिरीतिलागरही संग
बनजैबेकाजकेतीतीयलागरहीं। डाँगरसीदूमेतियघूमे
बनडागरमें जागरहूनाहिताहिनसासमजागरही। सा
गरहेमुरझायधूपखायतैसेकाय नाथरागसागरकेसुनि

रागसागरहीं २२ ॥ ५ करनाटपुत्रलंकदहनराग स्व० ब० स० ॥ लंकदहनूसमलंकदहनूमन ब्याकुलहैंबिरहासन भारी। दावाअनलसमलागेकमलअँग ऐसेबिकलबिनप्राणपियारी। कुंजसघनाबिचघूमेअतनूयुत बेलीनबेलीसिधैअँकवारी। जानिअचलसेअटलसेभये बिह्वलअँगअंगनाकेबिनस्वारी २३ ॥ गुणव० घ० ॥ गुरुजनहूकीशंकमानैनानिशंकसखीअंकनके बालकनहूकीनाहिंचहनहै। कंकरंकहूकीबेटीपंकमेंलपेटीसोऊ सबहीकीहीकीजीकीएकहीसीरहनहै। अतिशैसशंकसोअशंकसीभईहैबाल नाथकीअदंकहूनमानेनेककहनहै। गातलंकदहनसमानहोतहैंअमान रागलंकदहनसुनेकलंकदहनहै २४ ॥ ६ करनाटपुत्रगौड़मालवराग स्व० ब० स०॥ अनुरागसेपागसजैशिरपै जहँबागमेंलागसुगंधघनेरे। अँगुरीमुँदरीसुँदरीमाणिकी पहुँचीजोपताकीसुबाँकीसजेरे। फरकैंदोउगोलकपोलसुलोलसे नैनसमैनसुसैनतरेरे। तनगौरसेमालवदेशकेमालव रागचलेपियप्यारीवसेरे २५ ॥ गुणव० घ० ॥ सकलनिचोड़रसरागनऔबाजनके जोड़कान्हबाँसुरीकेनेकोनाहिंएकोधुनि। तोड़फोड़लावेसारेसाजनसमाजनमें जोड़सकैयामेंनाहिंकोऊगुणीगुणगुनि। जबैरनछोड़छोड़दीन्हीएकतानतोड तबैसबैछोड़चलींअलीभलीहीयहुनि। गोड़गोड़धाईअतिरोकतनिगोड़नाथ प्रभुगोड़मालौलगीरागगोड़मालौसुनि २६ ॥ ७ करनाटपुत्रबधूककुंभरागिनी स्व० ब० स० ॥ चित्रितचारुसेचीराबिचित्रसे शत्रुहुकोयहमित्र

सीभावै। जासुछबीछपिजातछपाकर चंपकहारहिधार छपावै। घोरकठोरकुचैअतिलंक लचैमदआलसखूब बचावै। रागिनीजोककुभैंकेउभैदृग कोरसुनाथहिओर चलावै २७॥ गुणव० घ०॥ शुभकाजहूमेंछाजरहीजो समाजबाल भईहैबिहालहालअशुभस्वरूपधूर। चुभ सीगईहैजानसुईकीसीबंशीतान खुभसनसासुकीसहत चिततूरतूर। गुभसीगईहैहियेनावककीतीरकीसी का दिनासकतकोऊकेतोहोयबीरशूर। लुभसीगईहैबुधिना थअनुरागिनीसी रागिनीककुभसुनिसकलककुभपूर २८॥ २करनाटपुत्रबधूअहेरीरागिनीस्व०व० स०॥ बरतीय अखंडलकीछबिछाजत भूमिअखंडलहीनहिवैसी। सुर मंडलहूमेंलखीनसखीसुकमंडलआयुधतीयनऐसी। कुं डलकुंडलसेज्योंअमीकच कुंडलीकिफबभौंरिनजैसी।है रीअहेरीसुनाथकीराहहिचाहहिआवनभौनचितैसी२९ गुण व०घ०॥ टेरीजोकुँवरकान्हबेरीबेरीबंशीतानधुनिसु निहुनिहुनिजानअवसेरीहै। कौननासहेरीपीरकौननाच हेरीबीरहेरीयहबंशीवनकौननाहिंहेरीहै। पीछेपीछेछेरी सीपछेरीतिन्हेंचेरीराहतीखनआकर्षनके मानोमंत्रप्रेरी है। पंछीज्योंबहेरीहेरीनाथत्योंतियानिबेरीरागिनीअहेरी तीयहीयकीअहेरीहै ३०॥ ३करनाटपुत्रबधूश्यामपूरियारागि नी स्व०व०स०॥ प्रतिअंगनमेंघनचंदनचर्चितचारुसी चंदमुखीचपलासी। गुणगूथनमालचमेलीकीचावतेमे लीनवेलीकेसंगसहासी। भलिभूरिसीभौंरकीभीरभरी तितबाससुबासकीबासबिभासी। अतिस्यौरिनतेतमकै

तियपैयहश्यामसुपूरियानाथकीखासी ३१॥गुण व०घ० ॥ सारीदेहधूरियासीधावतधुमिलभईगूरियागरेकीटूटी फूटीजातचूरिया । धरनिधतूरियासीगिरेंतीयढूरियासी मुरझातगातगातपानज्योंकपूरिया । कूरियाँसीगँजी जाहिंमुक्तनरतनढेरताहूकरमेरघरचटकीज्योंसूरिया। तजिव्यारीपूरियाहूनाथपै सिधारींसारी छातीश्यामपूरिया सीकरेंश्यामपूरिया ३२ ॥ ४ करनाटपुत्रबधूसमरफलीरागिनी स्व० व०स०॥ गुरईगुरलीकसुमाँगमेंटीककेनीकसी पानकीपीकरचाई। जरतारीकिनारीटँकीउढ़नीघनीबूटी दाऊदीसीऊदीहैछाई। लहँगामहँगाघनदामनके अति लालाविशालप्रबालनिकाई।गहनेपहनेतनफूलनकेचहुँ पाससुबाससखीसमुदाई ३३॥गुणव०घ०॥ सारीदेहदेहदलीभलीयाकीनेहअली छलीकान्हकुंजगलीबंशीमुखमेंरली। मानोअसलीपुलादीतीरपसलीमेंसलीअसली है कान्हतानज्ञानध्यानहरली । मुकलीकलीसीनिकलीहै मुखकुंजमनोअलीपुतलीसी अलीभुँकीजातचपली । रतिनाथदलीकीदलीहैदलपलमाहिं रागिनीसमरफली होतज्योंसमरफली ३४॥ ५करनाटपुत्रबधूअलह्यिारागिनी स्व० व० स० ॥बरचंदनचौकीचढ़ीसोबढ़ीछबिगातअन्हातसुहातछबीले। सबभूषणबस्त्रउतारधरेबिखरेंबरबालविशालसजीले । नायनखूबरसायनतेधरिभावेंभवावेंपगैनरमीले। सगरीजोलुगैयाबलैयाअल्हैयाकी लेत निरेखतनाथरसीले ३५॥ गुण व० घ० ॥ बह्यियांमरेरमोरसाखियांजगायरहीं घेरेंघोरनींदरमेंबंशीअनुरागि

नी। कहियासेकहत चलततुमआवतिहौंचलनललनल गहेतुबड़भागिनी । जहियासुनतसखीतहियाफूँकतप्रा नलागीउदबेगबेगधावोप्रेमपागिनी । दहियालैनाथबाँ हगहियाकेपासचलौ दुखकीअलहियाअलहियासुरागि नी ३६ ॥ ६करनाटपुत्रवधूवृन्दावनीरागिनी स्व० वं० स० ॥ कुंजनपुंज़नमेंमृदुमंजुल गानकरेपियध्यानधरेरी । बि रहाकरखेदसमेदपटेउलटेनिजसांसहिरोमखरेरी । म लेपीनकुचैकटिछीनलचैखरीफूलछरीसीसखीगनमेरी । यहवृन्दाबनीजिमिबौरीबनी निजनाथकेसाथकीनीव लखेरी ३७ ॥ गुण व० ध० ॥ श्रीराधारमनीघनीठनीहै वंशीनेहश्रीराधावल्लभीसुवल्लभीकुलीधनी ॥ दादूपंथी गौड़ियासुरामावतनीमावतनान्हकपंथीकबीरपंथी यती सतीबनी। जंगमयोगीचरणदासीसंन्यासीउदासीरामा नुजीरामानन्दीअघोरीसबैठनी । दंडीमौनीनाथहंसअ वधूतपर्महंसवृन्दाबनीरागिनीसुनतधायेवृन्दावनी ३८ करनाटसखीललितपंचमीरागिनीस्व०व०स०॥सटकारेसे हैंक चकारेखरेअनियारेदृगैंमतवारेपियारे। द्युतिबालप्रबाल लसेहुलसेछबिखानसीमानगुमानहिंधारे । बीरीअमी रीसीसीरीजुबानसेधीरीसीप्यारीकोदेतसुधारे । रति नाथकेपंचमीतीरसीकोरहे पंचमीप्यारीसखीढँगन्यारे ३९ ॥ गुण व०घ० ॥ केतीरामाअभिरामारमीरागरंगन मेंकेतीबामावागनमेंकरतहुतींबिहार।केतीजसीजमाईब हारसबखूवारकीन्ही केतीथमींजमींराहसाथीसंगती नि हार। ऊधमीसी अधमीसीसासुरी ननददीसीबुरेआदमी

सेदीसेनिजनाथहीगँवार। सुनतललितपंचमीसुरागिनी सखीरीभागींत्यागीललितसुपंचमीकेतिवहार४०॥ करनाटसखापखारराग स्व० व० स० ॥ सूरतिश्यामसीमूरति कामसी केलिकेभौननआसनसाजे। तनभीननबस्त्रनमेंझलकेनभपैबदरीसीलसीतिमिछाजे। अलकैंछलकैंद्वोउकंधनपैरतिमंदिरअंदरसुंदरराजे। सरचौसरमें वरऔसरतेदेइखारपखारसखानकोलाजे ४१॥ गुणव० घ०॥ केतीनारकालिंदीकिनारपैकिनारदारसारीछोरछारसारीछूँटीछोराछोरीटार। झारऔबुहारमाहिं केतीजेवनारमाहिंकेतीहीइनारपरछांड़घटपटभार। काहूजेवरजड़ावतीसुनारपैसुनारकाहूतोबजारसैलछांड़निजफुलवार। खारदेतनारपियपैरहीपखारमाहिं नाथकोपखारसुनिनैनज्योंभरैंपखार ४२॥ इतिकरनाटरागपरिवारभेदसम्पूर्णम्॥

अथहिंडोलराग परिवारभेद व०॥

स०॥ मानिकखानिककेजड़ेखंभनि लालविशाल सुपाटकीडोरी। कंचनकीपटुलीअतुलीतेहिपैबिजुली समप्रीतमगोरी। झूमैझुकेउझकैमचकै लचकैहचकै पियदेतमरोरी॥ हाहांकरैतियअंकभरैतबनाथहिंडोल अडोलकियोरी १॥ गुण व० घ० ॥ बोलीठोलीबोल बोलगोलअरुखोलहूके कहिथाकेघरकरछाकेलखिकै अबाग। उतरिनिगोलनतेरसीनाररसीडारगोलन कीगोलगलीगलीअलीचलीभाग। लोललोलखगम्रगाढिगकेकलोलभूलेधायेजितभूलैंकान्हछायेवंशी तान पाग। चोलकटेफटेधारनाथढिगआईड़ोलतुरतहिंडो

लमनसुनतहिंडोलराग २ ॥ १ हिंडोलपत्नीदीपिकारागि
नी स्व० व० स० ॥ निजपौरीपैदौरीसुसांझकेमाँझलि
येकरदीपकदीपतिदूनी । कुसुमावलिदिव्यदिपावलिते
शुचिसेजसवाँरतधूपकीधूनी । पहनेबरअंबरजेवरहूप
लिकाकलिकासेसजीमणिचूनी। हितनाथकेसाथमिला
पकेकारनद्वारनपैपरखैदृगखूनी ३॥ गुण व० घ० ॥सारी
जीविकाहूकरकाजलाजहूबिसारी खेतीबारीवारीहूगँवा
रीभईरागिनी। पीविकाबकेनपयकीजोहैंसुखेनप्यारीसो
ऊनेहनीविकासीभईहैंसुभागिनी । सीविकाचढ़नहारी
भारीधनवारीनारीवाहूबनपगधारीनाथलवलागिनी ।
द्वीपिकासीग्रामवारीनारीउरतमहीकोदीपिकासीभईयह
दीपिकासुरागिनी४॥ २हिंडोलपत्नीदेशकाररागिनी स्व० व०
स० ॥ यहकामिनिकीद्युतिदामिनिसी सबयामिनिजा
गीलखैचहुँओरे । दोउनैनचुनींदेउनींदेबनेझुँकिझांकै
सखीनिजनैनकीकोरे। द्युतिदर्पणतेमुखदेखतिदर्पणदाग
सुरागमलैमुखमोरे। देशकारैसँवारैशिंगारैसखीनिजना
थकेमंदिरअंदरभोरे ५ ॥ गुणव०घ० ॥ ठानताशिकारज
नुमनमीनलैनिकारकठिनकूपारहियेमेंतेबंशीलागिनी ।
करतींविचित्रकारचित्रकेप्रकारआली विविधप्रकारमि
त्रताकरैंसुभागिनी। निर्बिकारकैरैंतीयहीयकमनीयबंशी
सुधासमपीयताहिभईपीयत्यागिनी । नाथसाथसाँझहू
सकारलौंभिरींजोनारदेशकारभूलींसुनिदेशकाररागिनी
६ ॥ ३ हिंडोलपत्नीबरारीरागिनी स्व० व० स० ॥ अबला
कलासोहतज्योंचपलारतिमूरतिसीरतिधाममेंराजै। क

रकंजपैगोलकपोललसैकमलासनपैजनुचंदबिराजै। स
खितेनहिंबोलतडोलतहैदृगनींदजोशेषविशेषतेछाजै।
निजनाथकेसाथकीआशाकिये यहँप्यारीबरारीहियेलिये
लाजै७॥ गुण व० घ०॥ भारीबेकरारीभईतीयहीयबंशी
सुने करारीकचौरीकरिबेकोसोभुलाईहै। तारीठोंककहै
गुनकचौरीकचौरीमोते मेरीबराबरीअरीकौनसीलुगाई
है। मारीगईताहूकीसुगतिमतिरसोईते भईबिमारीकी
धुनिबंशीनेभुलाई है। करतहुतीजोनिजगेहमेंबरीबरा
री सोऊनाथरागिनीबरारीसुनिधाईहै ८॥ ४ हिंडोलपत्नी
मालवीरागिनी स्व० व० स०॥ साँझसमैबनमाँझसिधाय
नचायकेमोरहिआपहुनाचे। नाथकेसाथमिलापकेहेत
कियेहियेहेतशिंगारहिराचे। केलकेकाजअकेलगईब
नखेलकरैपशुपांछिनजाँचे। मालवीनारसीमालवीसो
हत मोहतहैरतिरूपहिसाँचे ९॥ गुणव० घ०॥ जपी
गालवीसुतीयतपीपर्मपूजनीय सोऊबिहवलहीयबंशी
सुनिआवती। ढालवीभैघननीरउलटेबहैसमीर पेड़
पालवीहूपातीमुरझीदिखावती। जाह्नवीहूयमुनाहूउल
टीधारैंपधारैं शंकरकेआदिनादयादहूभुलावती। माल
वीतियाजोफूलमालवीनगूँधतमें सोऊनाथमालवीकी
सुनिधुनिधावती १०॥ ५ हिंडोलपत्नीपाहिड़ारागिनी स्व०
व० स०॥ देशहित्यागिबिदेशचलेपिया लागेअँदेशति
याहियामेरी। लेतउसासउदाससीसूरति पूरतिहैदृगआँ
शुघनेरी। आनकीआननदानसीबोलति आलिनतेअ
तिशैबहुबेरी। पाहिहीपाहिकहैनिजनाथते पाहिड़ापां

यनकोगहिघेरी ११ ॥ गुणव० घ० ॥ बंशीकीछिड़ीछि
ड़ातेमौनभयेचिड़ीचिड़ा भिड़ीभिड़ाआपुसमेंकरेंएक
ठौरीरी। गृहजनआपसिड़ीसिड़ासमहोयहोय चलिबे
कोकहैंगिड़ीगिड़ासखीपौरीरी । बांसाबिड़ारीहैपिड़ा
रीचलीलूटनज्यों उमगिउछाहिड़ासीनाथबनदौरीरी।
आहिआहिपाहिपाहिबोलैंगुणमाहिड़ाहू पाहिड़ासुरागि
नीसुनतभईबौरीरी १२॥६ हिंडोलपत्नीमरहठरागिनी स्व०
ब० स० ॥ अतिमानगुमानकियेपतिते रतिमेंअतिरोस
मसोसपियारी। बहुबारहिबारबिगारकेबारहि चारुशिं
गारुसबैतजिडारी। बरधारकेतारलगेदोउनैननि बैननि
व्यंगकीचालनिकारी। मरहट्ठीइकट्ठीसीहट्ठीबड़ी निज
नाथकेपाँवपरेभटकारी १३ ॥ गुणव० घ० ॥ छठीदूध
यादपरेकान्हतानकानपरे शठीमतिकीसीउकठीसीनारि
धुनिगुनि। इकठीकीइकठीगठीहैरायभागनकी कमठी
सीमुड़ीमोड़ैंकाढ़ैंसबैपुनिपुनि। भठीसीभभाकिउठीहिये
बिरहागजाग भागजिमियोगीमठीत्यागजियगुनिगुनि।
मरहठीहठीतीयकीसीगठीकाछकाछे आगेपाछेभाजी
जातनाथमरहठीसुनि १४॥ १ हिंडोलपुत्रशंकराभरनराग
स्व० ब० स० ॥ बहुफूलनकेशिरटोपधरे अतिओपभरे
मणिमालसोहै। मृदुमाखनसेचितचारुसेचंदन च
र्चितपूरकपूरसेबोहै। पटपीतछटालपटासेलटा बिधुबा
लसेभालसुनैनललोहै। शँकराभरनैबरनौकिमिनाथ सु
हाथमेंबीनप्रबीनसेसोहै १५॥ गुणव० घ० ॥ सृष्टिसिरज
नहारहूकीहियादृष्टिमूँदी सुधावृष्टिकीसीबंशीसुनिभूली

मतिही। शयनकरनहारिसुधासिंधुसोऊहरि रहीनहींनेक थिरसुधिबुधिगतिही। सकलसुरनकोबेहालहालहोतज हाँ तहाँपैनरनकोहवालकाकुलातिही। शंकराभरनरागधु निसुनिबाँसुरीमेंनाथशंकराभरनछाँड़िधायेआतिही १६॥ २हिंडोलपुत्रसुमतिबिलासराग स्व०ब०स०॥चित्रभवन्बिच चित्रितआसन भूषणबस्त्रबिचित्रसजाये। रूपमदन्स मश्यामलकोमल सोहैसहाससुबासाहिछाये। बैसनवल् नवयौबनसेतन संगसखागणहैंमनभाये। नाथसुघराति यकेहियकेमन भावतनाचतभावबताये १७॥ गुणव० ष०॥ बाससुरकेसेहैंनिवासखासमथुराको सबहीसुपास पासदेवीदेवनाईहैं। सासहूससुरजासआरतीउतारैता स धनदबिलासखाससुखरासछाईहैं॥ सोऊतियापिया तेनिरासआतिहीहिरास जबहींतेश्रीनिवासबाँसुरीबजा ईहै। तजिनिजनाथसाथसुमतिबिलासहास सुमतिबि लासरागसुनबनधाईहै १८॥३ हिंडोलपुत्रतिलकमोदराग स्व०ब०स०॥ गरबीलेछबीलेरूपाकरसे सुरसीलेसुबर्ण सिंहासनसोहै। पियप्यारीसँवारीशिंगारीखरी अँकवा रीभरीनिरखैतिरछोहै। मुखईखतहाससुवासलसे बर बाससुगंधनकेगमकोहै। तिलकेंभलकैंशिरकेसरके स खिसाथसमोदकमोदहियोहै १९॥ गुणव०ष०॥ गोदबि चबालकहीमोदतेरम्हावतींजो सोऊबिलगावतीहैंबिरह अगिनिहुनि। गोदरहीसुईकीसीजाननाथबंशीतानबिष यबिनोदबिषबिषमसमानगुनि। ओदपटनिपटप्रस्वेदते भयेहैंभटकुम्हिलेकमोदभांतभईपाँततीयमुनि। माथेमें

तिलकमोदतेजोदेतीहुतींतेतीछांड़िधाईनाथपैतिलकमो
दरागसुनि२० ॥४ हिंडोलपुत्रकेदारनटरागस्व०ब०स० ॥बर
नीकबिहेमलताबरनीछहरैजोछटातरनीकिरनी।चढ़िता
जीतुरंगतरंगभरेदृगलालसुरंगमनोहरनी। बलवीरसेहैं
रणधीरमहाभलभूरिभरीभटकीकरनी। यहनाथकेदारन
टैजूडटौतिलहूनहटैरणकीधरनी२१ ॥ गुण ब० घ० ॥ अ
टपटबोलैबैनखटपटकरैऐनउलटपलटसाजसाजेतीयत
नमें। राजसेबिलटजायतऊनाअकाजजानैलटछटकाये
लटसीगईहैछनमें। कटकटकरैदाँतरोषतेविकटभाँतिहट
हटकहैरोंकैठौंकैजोगमनमें। ऐसीहैकेदारनटजायजोउ
दारनाथसुनतकेदारनटभागीभटबनमें २२॥ ५हिंडोल
पुत्रकमोदनटरागस्व० ब० स०॥ बरकुंजनपुंजनमाहिंफिरैगु
रुगुंजनभौंरकेदौरसुनेरी। सउमंगसखागणसंगसजेनि
जहाथकेनाथजुहारगुन्हेरी।तरवाकीसुवांकीहथेलिनकी
अरुनाइलुनाईज्योंपद्मफबेरी। यहनाथकमोदनटैलपटै
तियदामिनिज्यौंभपटैघनकेरी २३ ॥ गुण ब० घ० ॥
चटपटचौंकपरीओचटउचटपरी नींदहूउछटपरीबंशी
करकरतब। अनवटसनवटसभीरीगईरीहटठटबटउल
टपुलटपटहूकुढब। फिरवटकरतक्तितेकवनभागनकोभ
टपटघरकरकारबारकीन्हींतब। खिलीज्योंकमोदनटजा
तपियप्रीतरीतसुनतकमोदनटरागनाथढिगजब २४॥
६ हिंडोलपुत्रसंक्रमनरागस्व० ब० स०॥ शीशमहिलमेंनवल
पियराजतमोहेहियाजबजोहेप्रियाको। बनमोरनकेपख
नाटखनाकरहारहियेकुसुमीमोतियाको। बहुगंधसुगंध

लसेहुलसेतनशीशनमेंदिखरावैतियाको। यहनाथसुसं
क्रमनैरमनैनिकलागतहै पिकबानीतियाको २५॥ गुण
ब० घ०॥ सबैतनतनउठेरोंगटेसघनउठे पुठेकरकतसा
रेप्रेमकेश्रछेसमें। गनगनकाँपतहैश्रनमनहांफतहैदेह
दूबरीसीश्ररीनयेप्रेमनेममें। सनसनबहैपुरवाईचहुंवा
ईतापै ठनठनचलीजैसेदीननेहहेममें। गेहकाजनेह
लाजउभैसंक्रमनलागसुनलसंक्रमनरागत्यागी नाथप्रेम
में २६॥ १ हिंडोलपुत्रबधूचैतीरागिनी स्व० व० स०॥ स
खियारीसलिलैफुलवारीफिरै श्रमलाकमलाचपलाद्युतिदे
ही। गुँथिगुच्छासुफूलकेश्रच्छासेश्रच्छा श्रभुच्छासी
लैकरसुच्छासनेही। कटिकिंकिनिकेकरकंकनके भनकेर
वजोमनकेहरलेही। तरुचैतीसीचैतीश्रचेतीसीरागिनि
परीबिरागिनितिनाथकीनेही २७॥ गुणव० घ०॥ कमनैतीड
कैतीसीकरैभोरीनारीनारी बंशीसुनिदौंड़मारीबनबीच
चंदमुखी। तैंतीकीसीद्रधमुखछोराछोरीसोउछोरी दुरु
खीसीभईनईनारिजेतीएकरुखी। घरकीभडैतीसाथजा
तनाथश्यामढिग लड़ैतीजूकीहुँसेवासचैतजीतीयदुखी।
सुचेतीसखीहूश्रचेतीसीप्रेमपागिभई चैतीरागिनीसुन
तचैतीरूखसीसुखी २८॥ २ हिंडोलपुत्रबधूसुघराईरागिनी
स्व० व० स०॥ केलिकेधामरचीनिशियाम लचीकटिछा
मसुबामसखीरी। श्रसिरामममहागुणग्रामसुकामके भाम
सीभूषणबालसरीरी। मणिमालबिशालगुहैनिजनाथके
हेतश्रचेतनिकेतलखीरी। सुघराईकीकासुघराईकहौं नि
खराईहैचाँदनीज्योंबदरीरी २९॥ गुणव० घ०॥ सकल

लुगाईतनाविकलपराईबन मानहुंपराईधनकीसीबनधा ईहै। गृहकाजमेंभिराईसोऊजानहूहिराई थिराईनकोऊ घरकरतलराईहै। दवराईमाहिंकेतीश्राभरणहूगँवाई भवाँसीभवाँईश्रमतेगईनिकाईहै। नाथढिगभागनिज भागउघराईजनु सुघराईरागिनीकीसुनिसुघराईहै३०॥

३ हिंडोलपुत्रबधूकाफीरागिनी स्व० ब० स० ॥ चितचाहीस खीगलबाँहीदिये तियधाईभरोखानिभाँकहिभूके। अ नहोनीसीलोनीसलोनीसीसाँवरि बारमनोअँधियारकुहू के। ओठैंसुमानिकनीलमखानिक गातलसेपिकसेनिक कूके। यहकाफीहैकाफीसुरागनमें अनुरागनमेंनिजनाथ प्रभूके ३१॥ गुणव० घ० ॥ जाफीभईआपीआपकानसुनि कान्हतानभाँपीतेनिकारतरहीजोसाजचुनिके पूरणप्रता पीपरितापी बिरहाअनलब्यापीअंगअंगनमें अंगनाके हुनिके। साफीसाफमेंजोलगीभंगीरंगीप्रीतमके सोऊअ तिहाफीगुनिमुरलीकेधुनिके। ब्रजनाथबंशीमेंबजाईखूब साफीसाफकाफीभईखुशीकी सुकाफीधुनिसुनिके ३२॥

४ हिंडोलपुत्रबधूलीलावतीरागिनीस्व० ब० स० ॥ सुखशालि नआलिनकेगणमें निजभागसुहागसुरागसुनावै। मुकु रालयमेंलयनाथमेंक्षैशिरलालय पागहिआपबँधावै। गुणरूपकीआगरशीलकीसागर नागरपीयकेसाजसजा वै। यहलीलावतीबहुलीलावती अतिपूँछैसखीसनकै सोसुहावै ३३॥ गुणव० घ० ॥ शशिकीकलावतीसीपद्म पद्मावतीसी सेवामाहिंजासुसदासखियाँसुहावती। ऐ सीतीयधावतीजोबंशीसुनिपावतीहै लावतीनवारधनघ

नवनआवती। छुपछुपपथजानपावतीनचंदमुखीचंदते
दुचंदचारुचाँदनीतनावती। नाथलवलावतीहैवंशीमन
भावतीहै लीलावतीरागिनीसुनेतेमतीलीलावती ३४॥
५ हिंडोलपुत्रवधूहरसिंगाररागिनी स्व० ब० स० ॥ चलिचि
त्रविचित्रसेचित्रअगारमें चारुसिंगारसुधारसजावे।
सुखराशकीआशाकियेमनमें तनभूषितचित्रितचैलरचा
वे। निजआलिनमेंभलिचालिनतें बरकेसरचंदनखौर
करावे। उरहारसिंगारकेहारसजै तियहारसिंगारबिहार
कीचावे ३५॥ गुणब० घ० ॥ करतरहीजोहरसिंगाररहि
कोसिंगार सोउनारदीन्हीहैबिगारहियहारीहैं। सपनेहू
काहूतेबिगारजोनकीन्हीदार उनहूंअगारमाहिंभीनीरार
भारीहैं। द्वारपैनगारखानेजासुसुखहरखानेसोऊगँवारी
सीभईभारीमतवारीहैं। सुमनहरसिंगारबीनतहुतींजे
नाररागिनीहरसिंगारसोऊसुनिधाईहैं ३६॥ ६ हिंडोलपु
त्रवधूनायकीरागिनी स्व० ब० स० ॥सकुचातीननेकहुआ
लिनमें मदमातीसुहातीसुहेमलतासी। द्युतिचंपककंप
कसीभलकैबिथुरीअलकैंअलकैंदगगाँसी। चूनीसीदू
नीदिपैंअँखियाखरीखूनीसीखंजरसीछुरियासी। चहकैल
हकैरतिमेंनिजनाथकेनायकीकीयहलायकीखासी ३७॥
गुणब० ध्र० ॥ जाकीभलीलायकीघलायकीनएकौचालि
सरलसुभायकीजिवालतेअदहैंप्रान। पायकीजेसुरना
थगायकीगुनीतेगुनी ताहूकोनकायकीनिकायकीनज्ञान
ध्यान। सुरनायकीकेजाहिदावासोऊधावामारैं चोटशाय
कीसीखातफँसीवंशीतानजान। सखियाँबिनायकीहूनाथ

श्यामढिगधाई नायकीसुरागिनीकेसुनिकेरसीलीतान
३८ ॥ हिंडोलकासखाबड़हंसराग स्व० ब० स० ॥ बड़हं
ससेहैबड़हंससखाछबिअंशासुबंशाकेस्वामिहिंभावै। घन
घोरघटाबिजुलीकीछटा चढ़िऊँचीअटाप्रियकोदरशा
वै। पटभूषणकाँतिजुरीबिजुरी बकपाँतिपताकनभाँति
बतावै। बहुहासबिलासहुलासकरै निजनाथकेसाथस
दाचितचावै ३९ ॥ गुणव० घ० ॥ अतिहिअसंशयप्रशं
सनीयकमनीय रमनीयनिजनाथहीकीनीकीतीयमाहि।
पर्महंसकीसीसोऊवँसरीकीफँसरीमें हंसीहंसहूकीगति
भूलअतिहूलताहि। कुलअवतंससोऊसंशयहिमाहिंभ
रीशारदकीअंशाबंशाबंशीछरीकाहिनाहि। बड़हंसरागको
शब्दसुनिबंसरीमें बड़हंसबंशाहूकेदंशाहोतआहिआहि
४०॥ हिंडोलसखीभीमपलासी॥ रागिनी स्व० बं० स०॥ नि
जनाथकेसाथकीदासीरसी यहभीमपलासलिसीचपला
सी। पियप्यारीकीपर्मपियारीसखी उबटैचुपटैअँगरागस
हासी। कछुक्रीड़तिहैकुचमीड़तिहै भिभकैखिभकैअब
लानवलासी। दृगदाँतसुदाड़िमपाँतकीभाँत लसैबिलसै
हुलसैकमलासी ४१ ॥ गुणव० घ० ॥ चारुचपलासीबि
मलासीचंदकेकलासी सुरनवलासीसोऊव्रजतीयहीयहु
नि। जादूकीबिलासीबंशीभासीप्यासीप्रानतकी सखीजेसु
मतिवारिवारीप्रानसुनिधुनि। मचलासीगईग्रहश्यामढि
गजाइवेको बिकलासीध्यावैतीयनाथबनपुनिपुनि। ग्रीषम
मेंसूखतज्योंभीमपलासीसुशाखत्योंहीव्रजनारीसारीभीम
पलासीकोसुनि ४२ ॥ इतिश्रीरागरागिनिबंशावलीसम्पूर्णम् ॥

इस मतबे में जितने प्रकार के रागोंकी पुस्तकें छपी हैं उनमें से कुछ नीचे लिखी हैं ॥

रागप्रकाश

गढ़अमेठी के राजामाधवसिंहसाहबबहादुर रचित बहुत अच्छे कल्याण खेमटा ठुमरी अद्धा आदि ईश्वर विषयक समय के हैं और इसमें सर्व रागों के प्रमाण भी हैं ॥

रागसंग्रह

कृष्णचन्द्रकवि रचित बहुत अच्छे२ राग हैं ॥

मनमोहन

बलदेवप्रसाद मुदर्रिस रचित जिसमें समय के अनुसार उत्तमोत्तम राग हैं ॥

युगलविलास

रामसिंहजी रचित जिसमें श्रीकृष्णजी और राधाजी के विचित्र रागों में नानाप्रकार के विलास वर्णनकियेगये हैं ॥

लावनीबनारसी

अर्थात् मरहटी ख्याल काशीगिरि बनारसी परमहंस रचित जिसमें देवता और देवियोंकीस्तुति विशेषकर ब्रह्मकी उपासना ब्रह्मज्ञान उपदेश और हरिभक्तों के ज्ञानकी दृढ़ता के निमित्त श्रीकृष्णचन्द्रजीकी बालक्रीड़ाका वर्णन है ॥

शृङ्गारबत्तीसी

महाराजामानसिंहजी रचित ॥

भजनमाला

बाबूराजकुमार देवनन्दनसिंह रचित इसमें उत्तम भजनहैं ॥

श्रीकृष्णगीतावली

मुंशीमहावीरप्रसादसाहब स्याहानवीस तहसील महाराजगंज रचित इसमें चुनेहुये और उमदा२ भजन हैं ॥

नवरत्नभाष्य

बाबूश्यामसुन्दरलाल रचित जिसमें रासलीला के सम्पूर्ण पद और गाने के दोहे लिखेहुये हैं ॥

वीणाप्रकाश

तर्जुमा क़ानूनसितारभाषा कृत पण्डित प्यारेलाल, इसमें सितारों के ठाठ, परदोंपर सीखनेकेलिये अंक, मिज़राब वग़ैरह की तरकीब, और मीड़ों के क़ायदे और अन्त में सब राग और रागिनियां भी पद समेत लिखी हैं जिनसे गानविद्या में बहुत-ही जल्दी बोध होताहै ॥

वंशीलीलाभाषा

श्यामलालजी रचित ॥

प्रेमाऽमृतसार

परमात्मानन्दजी ब्राह्मण रचित ॥

साङ्गीतप्रह्लाद

श्रीनृसिंहावतार व प्रह्लाद भक्त का गानमें उत्तम चरित्रहै ॥

इन्द्रसभा

अमानत व मदारीलालजी की ॥

बारहमासाबेणीमाधव

इसमें वियोग का वृत्तांतहै ॥

मनमोहनी

बन्नापुरके अफ़्सरमुदार्रिस हफ़ीज़ुल्लाहख़ां संग्रहीत जिसमें जितनी राग आदिकी किताबें छपी हैं उनसे निहायत अच्छी चटपटी २ दोहा मिलीहुई ग़ज़लें और बहुत उत्तम उत्तम गाने वाले प्रसिद्ध भजन, होली, ठुमरी, चौमासा, बिहाग, भैरवी, दादरा और नानाप्रकारके दिलपसन्द मज़ेदार मनहरण दोहे सोरठे कवित्त सवैया अपने शौक़ीन मित्रों के केवल दिल बह-लानेके वास्ते लिखेगये हैं ॥